बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 88 | बृहस्पतिवार 20 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

लौटेगी तबाही? खतरे के निशान के ऊपर बहने लगी यमुना नदी; दिल्ली-एनसीआर में बारिश का भी अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी ने रौद्र रूप दिखाया तो दिल्ली वालों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। मंगलवार तक तो यमुना नदी का जलस्तर कम हो रहा था लेकिन अब बुधवार की सुबह अचानक यमुना नदी का जलस्तर फिर बढ़ गया। यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार चला गया है। यमुना नदी ने हाल के दिनों में जो तबाही मचाई है उसके निशान अब भी राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद हैं। लेकिन एक बार फिर यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी ने सभी को टेंशन में ला दिया।सुबह आठ बजे यमुना नदी का जलस्तर 205.48 मीटर पर था। सुबह नौ बजे यमुना का जलस्तर 205.60 मीटर तक जा पहुंचा। इधर मौसम विभाग ने

दिल्ली और एनसीआर में बारिश की आशंका भी जताई है। एक अधिकारी ने कहा कि बुधवार तक यमुना नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है जो स्थिर होगी। हालांकि, हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। दिल्ली रेलवे ब्रिज पर यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है। मौजूदा हालात बता रहे हैं कि शाम 6-7 बजे तक यमुना का जलस्तर 205.72 मीटर तक पहुंच सकता है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की प्रवाह दर में मंगलवार दोपहर मामूली वृद्धि देखी गई थी जो 50,000 से 60,000 क्यूसेक के बीच थी। प्रवाह दर बुधवार सुबह सात बजे तक घटकर 39,000 के आस-पास रही। एक क्यूसेक का मतलब 28.32 लीटर प्रति सेकेंड पानी होता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 22 जुलाई तक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है वहीं दिल्ली में बुधवार को मध्यम बारिश होने की संभावना है।

भाजपा के राष्ट्रवाद को एक और चुनौती! इंडिया का टैगलाइन होगा 'जीतेगा भारत'

इस गठबंधन को 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव एलायंस' नाम दिया गया है। इसे इंडिया नाम से भी जाना जाएगा। अब खबर आ रही है कि इस गठबंधन ने अपना टैगलाइन 'जीतेगा भारत' रखने का फैसला किया है।

नई दिल्ली। राष्ट्रवाद के मुद्दे पर आक्रामक तरीके से राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दल लगातार चुनौती पेश कर रही है। विपक्षी एकजुटता की दूसरी बैठक में नाम का ऐलान कर दिया गया। इस गठबंधन को 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव एलायंस' नाम दिया गया है। इसे INDIA नाम से भी जाना जाएगा। अब खबर आ रही है कि इस गठबंधन ने अपना टैगलाइन 'जीतेगा भारत' रखने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव की रणनीति तय करने के लिए 26 विपक्षी दलों की बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विपक्षी दलों के नए गठबंधन के नाम 'इंडिया' का जिक्र करते हुए कहा कि अब लड़ाई इंडिया और केंद्र सरकार के बीच है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि जब कोई भारत के खिलाफ खड़ा होता है तो

विजेता कौन होता है। बाद में राहुल ने ट्वीट किया, भारत जुड़ेगा, इंडिया जीतेगा। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने यह भी कहा कि यह हर कोई जानता है कि जो लोग भारत का विरोध करते हैं या उससे लड़ने का प्रयास करते हैं, उनके साथ क्या होता है। मुझे इसमें जाने की ज़रूरत नहीं है कि यह लड़ाई कौन जीतेगा। यह भारत और भाजपा के बीच की लड़ाई है। उन्होंने इसे नए गठबंधन इंडिया और भाजपा के बीच जंग बताया।

राहुल गांधी ने कहा कि चार घंटे तक चले विपक्षी दलों के दूसरे विचार-विमर्श के दौरान चीजें बहुत सुचारू रूप से चलीं। उन्होंने कहा कि हम (विपक्षी दल) भारतीय संविधान, लोगों की आवाज और हमारे महान देश के विचार का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई राजनीति के विपरीत ध्रुवों पर खड़े दो गठबंधनों के बीच नहीं है बल्कि समावेशी भारत की रक्षा की लड़ाई है।

कार्ययोजना तैयार करेगा विपक्ष

अन्य नेताओं के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों ने एक कार्य योजना तैयार करने का फैसला किया है जहां वे अपनी विचारधारा और कार्यक्रमों के बारे में बात करेंगे। उन्होंने कहा कि हम एक साथ आगे बढ़ेंगे और लोगों को अपनी विचारधारा के बारे में बताएंगे कि हम देश के लिए क्या करने की योजना बना रहे हैं।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, बेंगलुरु में गिरफ्तार किए गए 5 संदिग्ध; गोला-बारूद भी मिला

बेंगलुरु। बेंगलुरु में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। यहां पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने देशद्रोही गतिविधियों में लिप्त संदिग्धों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों के नाम जुनैद, सोहेल, उमर, मुदासिर और जाहिद है। इनके पास से विस्फोटक सामग्री, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। सीसीबी पांच अन्य संदिग्धों की भी खोज में लगी है। पुलिस का कहना है कि ये पांचों संदिग्ध 2017 के एक हत्याकांड मे भी शामिल थे। उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल भेजा गया था जहां वे किछ आतंकियों के संपर्क में आ गए। इसके बाद आतंकियों ने उन्हें हथियार बनाने और चलाने की ट्रेनिंग भी दी थी। सीसीबी संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। ये पाचों संदिग्ध बेंगलुरु के अलग-अलग इलाकों में रहते थे। जांच एजेंसी को संदेह है कि ये पांचों मिलकर बेंगलुरु में धमाका करने की योजना बना रहे थे।

कहां के रहने वाले हैं ये संदिग्ध

जानकारी के मुताबिक ये पांचों ही बेंगलुरु के रहने वाले हैं। वे लगातार आतंकियों के संपर्क में थे और उन्हें आतंकियों से जानकारियां मिलती रहती थीं। जेल से रिहा होने के बाद से ही वे आतंकी गतिविधियों की योजना बनाने में लगे थे। सीसीबी को सबूत मिले हैं कि वे विस्फोटक सामग्री बनाते थे। पुलिस का दावा है कि उसके पास 10 संदिग्धों की जानकारी थी। इनमें से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनसे पूछताछ करने से बाकी पांच के बारे में भी पता चल सकता है। अधिकारियों का कहना है कि हो सकता है उन्हें सीमा पार से हथियार मिलेहों। राजस्थान या फिर गुजरात की सीमा से हथियारों की सप्लाई संभव है। अधिकारियों का यह भी कहा है कि यह आईएसआईएस का टेरर मॉड्यूल हो सकता है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने 2 मजदूरों को गोली मारी, सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को आतंकवादियों ने दो गैर-स्थानीय लोगों को गोली मार दी। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सुरक्षाबल इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश में जुटे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों घायल महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और एक ज्वेलरी शॉप पर काम करते हैं। घायलों की पहचान अक्षय और सौरव के रूप में हुई है। इस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के मुखपत्र कश्मीर फाइट ने ली है।

13 जुलाई को बिहार के 3 मजदूरों को मारी गई थी गोली–जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में 13 जुलाई को बिहार के रहने

वाले तीन प्रवासी मजदूरों को गोली मार दी थी। घायलों की पहचान अनमोल कुमार, हीरालाल यादव और पिंटू कुमार ठाकुर के रूप में हुई थी। इससे पहले 29 मई को अनंतनाग जिले में दूध खरीदने गए एक गैर-मुस्लिम युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने ली थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान जम्मू क्षेत्र के उधमपुर जिले के दीपू के रूप में हुई है, जो एक सर्कस में काम कर रहा था।

फरवरी में हुई थी कश्मीरी पंडित की हत्या–26 फरवरी को पुलवामा जिले के अचेन इलाके में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्या की जिम्मेदारी आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली थी। संजय एक बैंक में सिक्योरिटी गार्ड थे। इस मामले में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने मंगलवार को साउथ कश्मीर के 3 जिलों में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। अनंतनाग में 5, शोपियां में 4 और कुलगाम में 1 ठिकाने पर छापेमारी की गई।

भारी बारिश के बीच भगवती नगर शिविर से रवाना हुआ 4920 तीर्थयात्रियों का नया जत्था

जम्मू। भारी बारिश के बीच 'बम बम भोले' का जाप करते हुए बुधवार बाबा बर्फानी का दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर के हिमालय में स्थित श्री अमरनाथ गुफा के लिए 4920 तीर्थयात्री रवाना हुए।

एक अधिकारी ने बताया कि 4920 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 188 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुआ। वहीं, 2566 तीर्थयात्रियों (1974 पुरुष, 496 महिलाएं, 11 बच्चे, 81 साधु और चार साध्वियां) का एक समूह 107 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुआ।

उधर, 1381 पुरुष, 955 महिलाएं और 18 बच्चों का जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 81 वाहनों के काफिले में बालटाल के लिए रवाना हुए।

उल्लेखनीय है कि एक जुलाई को शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा 31 अगस्त को समाप्त होगी।

सीमा हैदर को पाकिस्तान बॉर्डर पर फेंक देंगे अगर...करणी सेना ने दी धमकी

नोएडा। पाकिस्तान से अपने प्रेमी सचिन के लिए अवैध रूप से भारत आई सीमा हैदर को लेकर ना केवल पाकिस्तान में धमकियां मिल रही हैं बल्कि भारत में भी चेतावनी दी जा रही है। बता दें कि इन दिनों सीमा हैदर और सचिन से यूपी-एटीएस पूछताछ कर रही थी। पूछताछ के दौरान कुछ ऐसी बातें सामने आईं जिससे शक का दायरा बढ़ा है। कई संगठनों का कहना है कि किसी को इस तरह से भारत में रहने की अनुमति देना ठीक नहीं है क्योंकि वह आईएसआई की एजेंट भी हो सकती हैं। अब हिंदू संगठन करणी सेना ने धमकी दी है कि अगर सीमा के खिलाफ कार्रवाई ना की गई तो उन्हें उठाकर पाकिस्तान बॉर्डर पर

फेंक दिया जाएगा। करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सिंह रावल ने कहा कि भारत कोई अनाथाश्रम नहीं है जहां कोई भी आकर आराम से रहने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीमा हैदर पाकिस्तानी एजेंट हैं और उनका अवैध तरीके से भारत आना संदेह के घेरे में खड़ा करता है। उन्होंने कहा, हम ऐसे लोगों के आतंकवादी कहते हैं। किसी ने उनकी जांच नहीं की है। उनकी ठीक तरह से जांच होनी चाहिए थी। ऐसा भी हो सकता है कि उसने अपने शरीर में चिप लगाया हो। पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं हैं तो हम इसे हिंदुस्तान में बर्दाश्त नहीं कर सकते। करणी सेना ने कहा, हम यूपी एटीएस की कार्रवाई का स्वागत करेंगे। अगर ऐसा ना किया गया तो सीमा को पाकिस्तानी सीमा पर फेंक दिया जाएगा। मुकेश सिंह रावल ने कहा कि सीमा की स्कैनिंग होनी चाहिए और पता लगाना चाहिए कि उन्होंने कोई डिवाइस तो नहीं छिपा रखी है। उन्होंने कहा, 15 अगस्त करीब आ सकता है और हो सकता है कि आतंकियों ने कुछ प्लान किया हो। आखिर सीमा को इतना अटेंशन क्यों दिया जा रहा है? उन्हें जितनी जल्दी हो सके भारत से निकाल देना चाहिए। इससे पहले गौ रक्षा हिंदू दल ने भी 72 घंटे के अंदर सीमा को देश से बाहर करने का अल्टिमेटम दिया था। दल ने कहा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह आंदोलन शुरू कर देगा। बता दें कि पूछताछ के बाद सीमा हैदर, सचिन और उनके पिता को शर्तों के साथ जमानत दे दी गई है। सीमा से कहा गया है कि वह बिना पुलिस को जानकारी दिए अपना अड्रेस नहीं बदल सकती हैं।

बुलंदशहर में बड़ा हादसा

निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरा, 14 दबे, 4 की मौत

बुलंदशहर। बुलंदशहर जनपद के नरसेना थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन मकान का लेंटर गिरने से एक ही परिवार के 5 बच्चों समेत 14 लोग दब गए। मलबे में दबकर दंपति समेत चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर रेस्क्यू में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के गांव मवई निवासी राजपाल पुत्र हरचरण सिंह का मकान बन रहा था। मकान की पहली मंजिल पर पुराना लेंटर डाला हुआ था और दूसरी मंजिल का निर्माण किया जा रहा था। मंगलवार की शाम को पहली मंजिल के तीन कमरों के ऊपर लेंटर डाला गया था। परिवार के 12 लोग मकान के ग्राउंड फ्लोर और दंपति पहली मंजिल के बरामदे के ऊपर चारपाई डालकर सो गए। बुधवार की सुबह करीब 2:40 बजे दूसरी मंजिल पर डाला गया लेंटर भरभरा कर पहली मंजिल की छत पर गिर गया, जिसके चलते पहली मंजिल का लेंटर भी गिर

गया और सो रहा परिवार मलबे के नीचे दब गया। सूचना मिलते ही एसडीएम स्याना अरविंद कुमार सिंह, सीओ भास्कर कुमार मिश्रा और आसपास के थानों की पुलिस फोर्स रेस्क्यू टीम लेकर मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। परिवार के सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। जिनमें से राजपाल(52)पुत्र हरचरण, सुनीता 50 पत्नी राजपाल, धर्मेंद्र(19) पुत्र राजपाल अविवाहित, कुलदीप 25 पुत्र राजपाल शादी शुदा की मौत हो गई।

मलबे में ये दबे –राजपाल, पुत्र हरचरण, धर्मेंद्र 19 पुत्र राजपाल, कुलदीप 25 पुत्र राजपाल, सुनीता पत्नी राजपाल, डालचंद 22 पुत्र राजपाल, गीता पत्नी मनोज , मनोज के तीन बच्चे, पिंकी पत्नी कुलदीप, छोटी पत्नी डालचंद, प्रवेश देवी रिश्तेदार, डालचंद के 3 बच्चे लवी, योगिता कार्तिक हैं। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू शुरू करा दिया गया। पुलिस प्रशासन के अफसर मौके पर मौजूद हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

हादसे का सीएम ने लिया संज्ञान, मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख मुआवजा– नरसेना थाना क्षेत्र के गांव मवई में मकान का लेंटर गिरने से दबकर 4 लोगों की मौत के मामले का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अफसर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही अन्य जो सहायता दी जा सकती है उसे भी प्रदान कराया जाएगा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने मौके का जायजा लिया और पीड़ितों से वार्ता की।

राजस्थान में बदलेगा सत्ता बदलने का रिवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव की जो तैयारियां की है उसको देखकर लगता है कि चुनाव की पूरी कमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथ में होगी तथा वही पार्टी का चेहरा भी होंगे। पार्टी आलाकमान के समझाने पर सचिन पायलट मुख्यमंत्री गहलोत के साथ काम करने को तो तैयार हो गए हैं। मगर गहलोत पायलट को अपने साथ कितना जोड़े रख पाते हैं इसका पता तो आने वाले समय में ही लगेगा। फिलहाल तो कांग्रेस अपनी योजनाओं के बल पर जीत के सुनहरे सपने देख रही है। वही पार्टी से जुड़े जमीनी स्तर के कार्यकर्ता आज भी नेताओं की बेरुखी के चलते नाराज नजर आ रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा के चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। चुनावों में अब कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी की चुनावी तैयारियां प्रारंभ कर दी है। प्रदेश में सत्तारूढ़ होने के कारण कांग्रेस पार्टी को सत्ता विरोधी माहौल का भी सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में पिछले तीस वर्षों से परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस और दूसरी बार भाजपा की सरकार बनती है। ऐसे में मुख्य विपक्षी दल भाजपा को आशा है कि राज बदलने की परंपरा को कायम रखते हुए प्रदेश में उनकी सरकार बने। मगर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस रिवाज को बदलने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत चाहते हैं कि प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाकर हर बार सरकार बदलने के रिवाज को समाप्त किया जाए। इसके लिए गहलोत लगातार लोगों से संपर्क साध रहे हैं। अशोक गहलोत के दोनों पैरों के अंगूठे में चोट लगने के कारण वह पिछले कई दिनों से अपने आवास से ही वर्चुअल माध्यम से लोगों से संपर्क कर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं।

2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे तथा रामेश्वर डूडी नेता प्रतिपक्ष थे। उस समय कांग्रेस के पास मात्र 21 विधानसभा सीटें ही थी। तब वसुंधरा राजे भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री थी। भाजपा के पास 163 विधानसभा सीटें थी। लेकिन राज बदलने का रिवाज व वसुंधरा राजे के खिलाफ आम जनता में पनपी सत्ता विरोधी लहर के चलते कांग्रेस 100 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। जबकि भाजपा मात्र 73 सीटों पर ही सिमट गई थी।

तब कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री व सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री बनवाया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने बसपा के सभी 6 विधायकों का कांग्रेस में विलय करवा कर विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति मजबूत बना दी थी। वर्तमान में गहलोत सरकार को माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो, राष्ट्रीय लोक दल का एक व 13 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। वहीं भाजपा विधायको की संख्या 73 से घटकर 70 पर आ गई है।

हालांकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी 2020 में अपने ही उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट की बगावत का सामना करना पड़ा था। सरकार बचाने के लिए गहलोत ने महीनों तक विधायकों को बाड़ेबंदी में रखा था।

कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद सचिन पायलट ने अपना विद्रोह समाप्त कर कांग्रेस की मुख्यधारा में शामिल हो गए थे। हाल ही में कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में एक बड़ी बैठक कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट को आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर लड़ने का मंत्र दिया है। आलाकमान से हुई बैठक के बाद दोनों ही नेता एकजुटता से चुनाव लड़ने की बात कह रहे हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले एक साल से प्रदेश में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए सक्रिय होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने पिछले बजट में प्रदेश के लोगों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की थी। जिनका क्रियान्वयन भी प्रारंभ हो गया है। पिछले तीन महीने तक राज्य सरकार ने गांव-गांव में महंगाई राहत कैंप लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करवाया है। उन कैंपों के माध्यम से सरकार ने अपनी जन कल्याणकारी योजनाओं से भी आम आदमी को अवगत करवाया है। महंगाई राहत कैंपों के आयोजन से सरकार की छवि में काफी सुधार हुआ है। राज्य सरकार ने 60 साल से अधिक उम्र के वृद्धजन, विधवा महिलाओं, विकलांगों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि को भी बढ़ाकर न्यूनतम एक हजार प्रतिमाह कर दिया है। इसके साथ ही अनाथ बालिकाओं को पढ़ाई के लिये प्रतिमाह मिलने वाली राशि भी बढ़ाकर दोगुनी से अधिक कर दी गई है।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में करीबन 76 लाख उज्जवला गैस कनेक्शन धारकों को 500 रूपैये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं मिल रहा है। प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली प्रतिमाह तथा कृषि उपभोक्ताओं को दो हजार यूनिट बिजली प्रतिमाह निशुल्क उपलब्ध करवायी जा रही है। राजस्थान की सीमा में यात्रा करने वाली महिलाओं को सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में 50 प्रतिशत किराए में छूट दी जा रही है। स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं, विधवा व एकल रहने वाली महिलाओं को शीघ्र ही सरकार की तरफ से मोबाइल हैंडसेट प्रदान किए जाएंगे। जिनमें तीन साल तक इंटरनेट का डाटा भी फ्री मिलेगा।

इसके अलावा सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के दायरे में फिर से शामिल किए जाने से आम लोगों के साथ ही कर्मचारी वर्ग में भी गहलोत सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल नजर आ रहा है। 2004 से देशभर में पुरानी पेंशन योजना को बंद कर दिया गया था। उसके बाद से ही कर्मचारी वर्ग पुरानी पेंशन बहाली की मांग करते आ रहे थे। मगर किसी भी सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया था। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश भर में पहले नेता है जिन्होंने राजस्थान सरकार के कर्मचारियों को फिर से पुरानी पेंशन देने की शुरूआत की है।

संगठन की दृष्टि से भी राजस्थान में कांग्रेस कमेटी का नए सिरे से गठन कर दिया गया है। सभी जिला, नगर, ब्लाक व मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियां हो चुकी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व सह प्रभारी लगातार जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं। हाल ही में जयपुर में कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक हो चुकी है। जिसमें सभी पदाधिकारियों को पूरी सक्रियता से क्षेत्र में काम करने के लिए कहा गया है।

हालांकि पिछले वर्ष सितंबर में कांग्रेस आलाकमान द्धारा कांग्रेस विधायक दल की बैठक का आयोजन करवाने के लिए भेजे गए पर्यवेक्षकों प्रदेश प्रभारी महासचिव अजय माकन व मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में विधायक दल की मीटिंग का बहिष्कार करवाने वाले कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ पर पार्टी आलाकमान ने कोई कार्यवाही नहीं की है। उल्टे शांति धारीवाल के पुत्र अमित धारीवाल को संगठन में प्रदेश महासचिव बना दिया गया है। इससे पार्टी कार्यकताओं में गलत संदेश जा रहा है। पार्टी से जुड़े लोगों का मानना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दबाव में पार्टी आलाकमान पार्टी से बगावत करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने से कतरा रहा है।

कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा चुनाव की जो तैयारियां की है उसको देखकर लगता है कि चुनाव की पूरी कमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथ में होगी तथा वही पार्टी का चेहरा भी होंगे। पार्टी आलाकमान के समझाने पर सचिन पायलट मुख्यमंत्री गहलोत के साथ काम करने को तो तैयार हो गए हैं। मगर गहलोत पायलट को अपने साथ कितना जोड़े रख पाते हैं इसका पता तो आने वाले समय में ही लगेगा। फिलहाल तो कांग्रेस अपनी योजनाओं के बल पर जीत के सुनहरे सपने देख रही है। वही पार्टी से जुड़े जमीनी स्तर के कार्यकर्ता आज भी नेताओं की बेरुखी के चलते नाराज नजर आ रहे हैं।

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा चुनाव जीतने के तो बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। मगर पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में उनके उपमुख्यमंत्री रहते कांग्रेस पार्टी की जो दुर्गति हुई थी उसकी चर्चा वह कभी नहीं करते हैं। अपने बड़बोले बयानों से रंधावा चुनाव तक पार्टी नेताओं को कितना एकजुट रख पाते हैं। इसका पता तो चुनावी नतीजों के बाद ही चल पाएगा।

संपादकीय

कश्मीर में चुनौतियां बरकरार

केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर सरकार का प्रशासन और सरकारी तंत्र से जुड़कर अलगाववादी-आतंकवादी एजेंड़ा चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का अभियान अनवरत जारी है। इसी अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर सरकार ने कश्मीर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी फहीम असलम, राजस्व सेवा के अधिकारी मुरावत हुसैन और एक पुलिस कांस्टेबल अरशिद अहमद ठोकेर को संविधान के अनुच्छेद 311 (2) सी के तहत सेवामुक्त कर दिया है। सूबे की सरकार इन तीनों की गतिविधियों पर काफी दिनों से नजर रखे हुई थी। जांच में पाया गया कि ये तीनों सरकारी कर्मचारी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों की ओर से भारतीय राज्य व्यवस्था के खिलाफ काम कर रहे थे। आतंकी संगठनों के लिए काम करने वाले ऐसे 52 कर्मचारियों को अब तक बर्खास्त किया गया है। इस बात से पता चलता है कि कश्मीर में आतंकी संगठनों ने अपना कितना मजबूत नेटवर्क खड़ा किया है। कश्मीर विश्वविद्यालय में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में काम करने वाले फहीम की नियुक्ति में एक आतंकी-अलगाववादी सरगना का हाथ बताया जा रहा है। वह 2008 से छात्र-छात्राओं के बीच आतंकी विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर रहा था। उसने सोशल मीड़िया में अपने एक पोस्ट में लिखा था-'एक सचाई जो कभी नहीं बदल सकती। कश्मीर हमेशा पाकिस्तान के साथ ईद मनाएगा। हम पाकिस्तान के साथ रहेंगे।' मुरावत हुसैन मीर भी आतंकी संगठनों के लिए धन जुटाने का काम करता था। अरशिद अहमद ठोकेर पुलिसवर्दी में आतंकी संगठनों जैश-ए-मुहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित संगठनों के लिए काम करता था। सही मायने में ये तीनों आस्तीन के सांप थे। अभी न जाने कितने ऐसे आस्तीन के सांप सरकारी तंत्र में बैठकर देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया था। इसके बाद के इन चार वर्षों के दौरान सुरक्षा बल अलगाववादियों और आतंकवादियों के खिलाफ जो लड़ाई लड़. रहे हैं, उसमें उन्हें बहुत सफलता मिली है, लेकिन सरकार और सुरक्षाबलों के लिए चुनौतियां अब भी मौजूद हैं। सूबे में अमन-चमन की वापसी हो रही है, लेकिन पड़ोसी पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को हवा देता रहेगा, आतंकवाद सिर उठाता रहेगा।

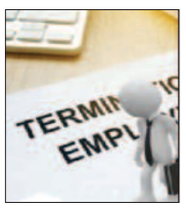

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है।

परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

2024 के महाभारत की चुनावी चक्रव्यूह की रचना

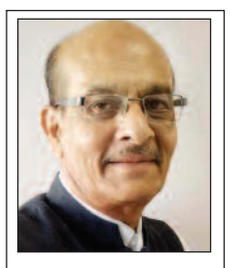

सनत जैन

2024 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर अब साफ होने लगी है। कांग्रेस के नेतृत्व में 26 दलों की बेंगलुरु में एक बैठक हुई जिसमें विपक्षी एकता के साथ-साथ गठबंधन का नाम यूपीए से बदलकर नया नाम इंडिया रखकर विपक्ष ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। विपक्षी दलों ने गठबंधन की एकता को लेकर जो संदेश दिया है। उससे चुनावी चक्रव्यूह किस तरह से विपक्षी दल रच रहे हैं। इसका एक संदेश मिला है। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे ने एक सुर में विपक्षी एकता के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाई है। राकापा प्रमुख शरद पवार भी बैठक में शामिल हुए। उससे एक बड़ा संदेश विपक्षी दलों ने भाजपा, सत्तापक्ष और आम जनता को देने का प्रयास किया है। इंडिया नाम को लेकर जिस तरह से एनडीए के सामने विपक्ष ने बिसात बिछाई है। उस बिसात में कहीं ना कहीं एनडीए को कड़ी चुनौती मिलेगी, उसका इशारा विपक्ष ने कर दिया है। विपक्षी दलों का जो इंडिया गठबंधन तैयार हुआ है। उसकी पहली परीक्षा संसद के मानसून सत्र में होगी। विपक्षी गठबंधन इंडिया में

पश्चिम बंगाल, केरल, बिहार, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र इत्यादि के प्रभावी राजनीतिक दलों को शामिल करके इंडिया ने एक कड़ी चुनौती एनडीए के लिए तैयार कर दी है। उल्लेखनीय है, पिछले लोकसभा चुनाव में एनडीए में शामिल दलों को 25 करोड़ और इंडिया में शामिल राजनीतिक दलों को 23 करोड़ वोट मिले थे। जिसके कारण मुकाबला बड़े कांटे का हो गया है। 4 साल में चुनावी वैतरणी में बहुत सारा पानी बह गया है।

भाजपा ने इंडिया को अंग्रेजी सोच बताते हुए कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन को घेरने में कोई देरी नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोलते हुए साफ कर दिया है कि अगला चुनाव भ्रष्टाचार और परिवारवाद के ऊपर ही आधारित होगा। एनडीए में 38 राजनीतिक दल शामिल है। इनमें से 25 राजनीतिक दलों का लोकसभा में एक भी प्रतिनिधि नहीं है। एनडीए गठबंधन में जो राजनीतिक दल शामिल हुए हैं। वह बहुत छोटे राजनीतिक दल हैं। उनके वोटों की संख्या बहुत कम है। लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा बहुत ज्यादा है। एनडीए के लिए उन्हें संतुष्ट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। लोकसभा 2024 के चुनाव में मोदी हटाओ के स्थान पर, इंडिया बचाओ का नया नारा लेकर, इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल सारे देश में एक नया संदेश देने की कोशिश करेंगे। यह माना जा रहा है कि भाजपा इंडिया पर सीधा हमला नहीं करेगी। उसे अपने बचाव के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन को कमजोर करने के लिए परिवारवाद और भ्रष्टाचार ही बड़ा अस्त्र और शस्त्र होगा जिसका एनडीए बड़े पैमाने पर चुनाव मैदान में उपयोग करेगी। बहरहाल 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर महासंग्राम की पूरी तैयारी पक्ष और विपक्ष में हो चुकी है। दोनों ही गठबंधन एक दूसरे को पराजित करने के लिए जिस तरह की चक्रव्यूह की रचना कर रहे हैं। चक्रव्यूह से निपटने के लिए दोनों को अपने अस्त्र-शस्त्र और योद्धा तैयार करने होंगे। दोनों ही गठबंधन के योद्धा अस्त्र और शस्त्र, एक-दूसरे के ऊपर चलाएंगे। मतदाता उससे कितना प्रभावित होता है। यही 2024 के लोकसभा चुनाव का परिणाम तय करेगा। आखिर मतदान तो आम जनता को ही करना है। भारतीय जनता पार्टी भी चुनाव में जाते समय लगभग साढे. 9 साल का शासन केंद्र में कर चुकी होगी। इसके पहले भी कई राज्यों में 15 से 20 सालों तक भाजपा की सरकारें रही हैं। डबल इंजन की सरकार और धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर आम जनमानस के ऊपर एनडीए का कितना प्रभाव है। इस लोकसभा के चुनाव परिणाम में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। चुनावी चक्रव्यूह की रचना हो चुकी है। महासंग्राम के मैदान में योद्धाओं के लिए अभी काफी समय मैदान में उतरने के लिए है। सही परीक्षा तो अधिसूचना जारी होने के बाद से लेकर चुनाव परिणाम आने तक एनडीए और इंडिया के बीच का मुकाबला इस बार देखने लायक होगा। यह महासंग्राम दो ऐसे योद्धाओं के बीच होगा। जिसमें दोनों एक दूसरे की बराबरी पर आकर खड़े हैं। किसी के पास भी संसाधनों, अस्त्र-शस्त्र की कमी नहीं होगी। दोनों पक्षों के योद्धा भी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं।

कार्लोस अल्काराज टेनिस के नये किंग

मनोज चतुर्वेदी

कार्लोस अल्काराज के रूप में विम्बलडन का नया बादशाह उभरकर सामने आया है।

इसे बिग थ्री युग की समाप्ति कहने की बजाय, एक नए युग की शुरूआत कहना उचित होगा। इसकी वजह बिग थ्री युग के नोवाक जोकोविच फाइनल में हार जरूर गए पर उनके प्रदर्शन से लगता नहीं है कि वह आसानी से हार मानने वाले हैं। इसलिए अगले साल तक ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रदर्शन को देखना होगा। पर इतना जरूर है कि आने वाले दिनों में टेनिस में इन दोनों के मुकाबलों में और गरमाहट देखने को मिल सकती है। अल्काराज का यह दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है, क्योंकि वह पिछले साल यूएस ओपन खिताब जीत चुके हैं। पर विम्बलडन खिताब ने ही उनके ऊपर नए युग के चैंपियन की मोहर लगाई है। असल में यूएस ओपन खिताब जीतने के समय 23 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का रिकॉर्ड रखने वाले जोकोविच नहीं खेल रहे थे और अब उनको ही हराने से यह साफ हो गया है कि उन्होंने नए युग की शुरूआत कर दी है।

बोरिस बेकर ने यहां खिताब जीतने के दौरान जिस तरह की पॉवर का प्रदर्शन किया था, वैसा ही कुछ इस फाइनल में देखने को मिला था। दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि बेकर कॅरियर की शुरूआत कर रहे थे और 20 वर्षीय कार्लोस अल्काराज यहां नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहे थे। अल्काराज सबसे कम उम्र में विम्बलडन खिताब जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले बोरिस बेकर 1985 में 17 साल, 228 दिन की उम्र में और ब्योर्न बोर्ग 20 साल 27 दिन की उम्र में खिताब जीत चुके हैं। वहीं अल्काराज ने 20 साल और 72 दिन की उम्र में खिताब जीता है। अल्काराज ने एक ऐसे खिलाड़ी को हराकर खिताब जीता है, जिसे काफी समय से विम्बलडन के ग्रास कोर्ट पर अजेय माना जाने लगा था। वह 2017 में टॉमस बर्डिच से क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद से नहीं हारे थे। वह इस हार के 2195 दिनों बाद हारे हैं। उनका विम्बलडन में विजय अभियान 34 जीतों के बाद थमा है।

अल्काराज और बेकर में शक्ति प्रदर्शन के मामले में काफी समानता नजर आती है। 23 ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले जोकोविच ने इस मैच में जीत पाने के लिए सारा अनुभव उड़ेल दिया पर इस स्पेनिश खिलाड़ी ने उनकी एक नहीं चलने दी। जोकोविच ने जिस अंदाज में पहला सेट जीता, उससे एक बार तो लगा कि वह एक और खिताब तक आसानी से पहुंच जाएंगे, लेकिन दूसरे सेट में अल्काराज के वापसी करने के बाद जोकोविच के लिए हर अंक जीतना मुश्किल होता गया। जोकोविच ने अल्काराज के खेल की लय तोड़ने के लिए रफ्तार कम की पर इसका कोई असर नहीं हो सका।

उसने उनके हर शॉट का, हर वॉली का और हर सर्विस का जोरदारी से जवाब देकर जोकोविच को असहाय बनाए रखा। स्पेन में खजूर के पेड़ों के लिए पहचाने जाने वाले गांव अल पाल्मर के रहने वाले अल्काराज सिर्फ पॉवर खेल के ही मालिक नहीं हैं बल्कि बेहद चतुर खिलाड़ी भी हैं और यह खूबी उन्हें दूर तक ले जाने का संकेत जरूर देती है। उन्होंने कई बार नपे-तुले ड्रॉप शॉटों से जोकोविच को छकाया और जब कभी वह नेट पर गेंद लेने पहुंच गए तो अच्छे लॉब से अंक को अपने पक्ष में कर लिया। अल्काराज में सबसे बड़ी खूबी हार न मानने का जज्बा है। जोकोविच ने मात्र एक गेम खोकर जिस तरह पहला सेट जीता, वह किसी भी खिलाड़ी का मनोबल तोड़ने के लिए काफी था। पर अल्काराज ने जिस तरह से दूसरे सेट से अपने खेल को गति दी, वह बाकई काबिल-ए तारीफ था। उन्होंने खिताब जीतने के बाद जो कहा, उससे भी लगता है कि वह एक-दो नहीं बल्कि अपना साम्राज्य स्थापित करने के इरादे से आए हैं। अल्काराज ने कहा, मेरा सपना साकार हो गया। यह महान जीत है, लेकिन मैं हार भी जाता तो मुझे अपने प्रदर्शन पर गर्व होता, क्योंकि मैं फाइनल में अपने खेल के महान खिलाड़ी से खेल रहा था, क्योंकि मैंने आप से ही खेलने की प्रेरणा ली है।

जोकोविच ने फाइनल के बाद कहा कि कोई जीत के इतने करीब पहुंचने के बाद मैच नहीं हारना चाहेगा। पर यह भी है कि मैंने भी कुछ ऐसे मैच जीते हैं, जो हार सकता था, जैसे कि 2019 में रोजर फेडरर के खिलाफ। कार्लोस इस जीत का हकदार था। मैं समझता था कि आप हमें क्ले और हार्ड कोर्ट पर ही मुश्किल में डालेंगे। पर आपने तो ग्रास पर मुझे हैरत में हाल दिया। इससे यह साफ है कि अल्काराज ऑलराउंड क्षमता वाले खिलाड़ी हैं। सभी सतह पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। फेडरर और सम्प्रास क्ले पर कमजोर रहे हैं तो नडाल ग्रास पर बहुत शानदार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। पर अल्काराज के खेल से लगता है कि वह सभी सतहों पर शानदार प्रदर्शन करने की काबिलियत रखते हैं, इससे लगता है कि बिग थ्री की जगह लेने वाला आ गया है। पिछले कुछ सालों में पुरुष टेनिस में दानिल मेडवेडेव, सिपसिपाच, रूबलेव, यानिक सिनर और ज्वेरेव जैसे युवा उभरे हैं। यह सभी खिलाड़ी समय-समय पर बिग थ्री सहित सभी दिग्गजों को फतह भी करते रहे हैं। पर इसमें से किसी ने भी यह अहसास नहीं कराया है कि वह बिग थ्री की जगह लेने का माद्दा रखते हैं, लेकिन कार्लोस अल्काराज ने इस प्रदर्शन से इस अहसास को जरूर ऊंची उड़ान दे दी है।

डीएम की अध्यक्षता में 'किसान दिवस' आयोजित

- **जल्द से जल्द कराया जाये किसानों की समस्याओं का निराकरणः जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह**
- **किसान दिवस पर अधिकारियों ने दी किसानों को योजनाओं की जानकारी**
- **जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस पर अधिकारियों ने सुनी किसानों की समस्यायें**

संवाददाता

गाजियाबाद । जिलाधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में विकास भवन में स्थिति दुर्गावती देवी सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत किसानों की समस्याओं को सम्बंधित अधिकारियों की मौजूदगी में सुना गया। गत किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा किसानों द्वारा नई शिकायतें को प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस आयोजित किया गया। जिसमें किसानों द्वारा बिजली के ट्यूबवेल के बिल माफ नहीं होने, गन्नों का भुगतान न होना, वर्षा के कारण गांव में जलभराव की समस्या होना, बाढ़ की समस्या होना, बाढ़ के कारण फसलों का बरबाद होना, बरबाद फसलों का सर्वे करवाना, लोन सम्बंधित कार्य, आवारा पशुओं की रोकथाम तथा गऊशालाओं में पशुओं के आहार के मूल्य में बढ़ोतरी करना इत्यादि समस्याओं से जिलाधिकारी सहित उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह द्वारा किसानों को अवगत कराया गया कि पिछले किसान दिवस पर सुनी गई समस्याओं का लगभग निराकरण कराया जा चुका है। साथ ही किसानों का गन्ना भुगतान तीन भागों में तीन महीनों के अन्दर कराया जायेगा। बाढ़ के कारण किसानों के हुए नुकसान की जांच के शीघ्र की करवाई जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि आवारा पशुओं की रोकथाम के लिए जल्द ही और भी गौशालाओं का निर्माण करवाया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को आदेशित किया गया कि किसानों द्वारा प्राप्त समस्याओं को जल्द से जल्द निराकरण किया जाये। किसानों का बाढ़ से हुए नुकसान की जांच के लिए टीम गठित की जाये। जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा किसान दिवस में उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को आदेशित किया गया कि कृषकों की प्राप्त शिकायतों का निराकरण करते हुए शिकायतकर्ता को समय पर अवगत करा दें। साथ ही जिलाधिकारी ने आदेश दिये कि अगले माह में होने वाले किसान दिवस में विद्युत विभाग के समस्त अधीक्षण अभियन्ता, सिचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता तथा सम्बन्धित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारी अवश्य प्रतिभाग करें। मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा किसानों को अवगत कराया गया कि सरकार द्वारा और भी गऊशालाओं का निर्माण कराया जा रहा है। प्रत्येक गांव के न्याय पंचायतों को निर्देशित किया कि किसान दिवस के लिए प्रत्येक गांव में एक रजिस्टर बनाया जाये जिससे न्याय पंचायत के प्रधानों द्वारा किसानों की समस्या के बारे में पूछा जाये, कृषि विज्ञानिकों के माध्यम से किसानों की छोटी से छोटी समस्याओं का समूचित निवारण के निर्देश दिये। श्री महेश कुमार मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पशु पालन विभाग द्वारा ग्रामों में पशुओं को टीकाकरण कराया जा रहा है तथा कृत्रिम गभार्धान से सम्बन्धित जानकारी दी गयी। उप निदेशक कृषि ने किसानों को अवगत कराया कि जिनकी कृषि भूमि 01 जनवरी, 2023 से पूर्व की है या विरासत में मिली है वह अपनी भूमि का पट्टा पंजीकृत करवाने के साथ ही आधार कार्ड से लिंक अवश्य करा लें, जिससे उनको सरकार द्वारा प्रदान की जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। उद्यान अधिकारी द्वारा किसानों को सरकार की लाभकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में बिजली के ट्यूवेल के बिल माफी होने के सम्बन्ध में कोई भी शासनादेश अभी प्राप्त नही हुए हैं। अधिकारियों ने किसानों द्वारा ब्याज से सम्बंधित समस्या पर अवगत कराया कि इस प्रकार का कोई शासनादेश नहीं है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक, पी०डी० पी०एन० दीक्षित, उप निदेशक कृषि डा० राम जतन सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 महेश, सहित अन्य विभागों के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

'शिक्षा चौपाल' से विद्यालयों को निपुण बनाने की तैयारी

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार छोटे बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रयासरत है। इसी क्रम में सरकार निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर रही है। अब योगी सरकार ने मिशन को गति प्रदान करने तथा जनसमुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रत्येक माह समुदाय स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में 'शिक्षा चौपाल' आयोजित कराए जाने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से खंड शिक्षा अधिकारी जनभागीदारी एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक माह विकासखंड के 3 ग्रामों में शिक्षा चौपाल का आयोजन कराएंगे। इस संबंध में राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय की ओर से समस्त बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद के आदेश के अनुसार, शिक्षक चौपाल में अधिक से अधिक जनभागीदारी के लिए खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के एक सप्ताह पूर्व कार्यक्रम स्थल एवं तिथि का निर्धारण करते हुए अपने विकासखंड में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा संबंधित शिक्षकों एवं अभिभावकों को आमंत्रित किया जाए। चौपाल की समयावधि लगभग 01 घंटे की होगी। चौपाल की तैयारी के लिए एआरपी से अपेक्षित सहयोग प्राप्त करते हुए कार्यक्रम का सफल संचालन किया जाए। चौपाल में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, प्रबुद्ध वर्ग. मीडिया प्रतिनिधि आदि को भी आमंत्रित किया जाए। शिक्षा चौपाल के दौरान शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को जागरूक करते हुए अपने विद्यालय को निपुण बनाने की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जाए। शिक्षा चौपाल में निपुण लक्ष्य प्राप्त करने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों को सम्मानित किया जाए एवं उनके विशिष्ट सहयोग तथा सफलता की कहानियों को भी साझा किया जाए। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी शिक्षा चौपाल में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए। इस प्रकार प्रत्येक माह अलग-अलग 03 ग्रामों में शिक्षा चौपाल आयोजित करने की प्रभावी रणनीति विकसित की जाए। शिक्षा चौपाल के एजेंडे के अनुसार, अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने तथा अपेक्षित अधिगम स्तर की प्राप्ति के लिए शिक्षकों से संवाद स्थापित करने को प्रेरित किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों की पहचान कर उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए प्रशंसित एवं सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ब्लॉक को निपुण बनाने के लिए बीईओ द्वारा अपनाई गई रणनीति पर विशेष चर्चा की जाएगी। साथ ही समस्त अभिभावकों को निपुण लक्ष्य एप डाउनलोड करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के 22 जिलों से गुजरेगा गोरखपुर-शामली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, 700 किलोमीटर होगा लंबा

गोरखपुर। शामली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की लंबाई करीब 700 किलोमीटर होगी। इसकी डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी एक निजी फर्म को सौंपी गई है। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि यह एक्सप्रेस-वे यूपी के 22 जिलों से होकर गुजरेगा। इसके बनने से हरियाणा और पंजाब भी जुड़ जाएंगे। जानकारों के अनुसार, गोरखपुर-शामली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण पंजाब-नॉर्थ ईस्ट कॉरिडोर के तहत होगा। इससे पूर्वोत्तर, हरियाणा और पंजाब का जुड़ाव आसानी से हो सकेगा। गोरखपुर-शामली एक्सप्रेस-वे शामली के गोगवान जलालपुर से शुरू होगा। यहां से होकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे भी बनेगा। अंबाला-शामली और शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे जुड़ जाएंगे। बताया जा रहा है कि गोरखपुर-शामली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे गोरखपुर और शामली सहित उत्तर प्रदेश के 22 जिलों संतकबीरनगर, बस्ती, अयोध्या, बाराबंकी, गोंडा, बहराइच, लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, शाहजहांपुर, बदायूं, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर से होकर गुजरेगा। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि गोरखपुर-सिलीगुड़ी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का रूटमैप तैयार हो चुका है। गोरखपुर में जगदीशपुर से शुरू होकर देवरिया फिर कुशीनगर जिले के तमकुहीराज तहसील से होते हुए सड़क बिहार के गोपालगंज में प्रवेश करेगी। यूपी में 84.3 किमी, बिहार में 416.2 किमी और पश्चिम बंगाल में 18.97 किमी समेत सड़क की कुल लंबाई 519.58 किमी होगी।

यूपी में ज्यादा विदेशी निवेश लाने के लिए बनेगी नई नीति, मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा बैठक

लखनऊ। वैश्विक निवेश सम्मेलन में आए रिकॉर्ड 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों से उत्साहित योगी सरकार ने अब अधिक से अधिक विदेशी निवेशकों को लाने की तैयारी की है। यूपी को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनाने के लिए अलग से नीति लाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक विकास को लेकर हुई महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। सीएम आवास पर हुई बैठक में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह के अलावा करीब एक दर्जन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री ने वैश्विक निवेश सम्मेलन के प्रस्तावों को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा यूपी को उद्योगों का गढ़ बनाने और विश्व स्तर पर धमक बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए अलग से नई नीति लाने या वर्तमान औद्योगिक नीति में अलग से व्यवस्था करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं। जल्द ही भूमि पूजन समारोह की तारीख भी तय होगी। खास बात ये है कि पिछले छह साल में यूपी विदेशी निवेशकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। जहां 25 से ज्यादा देशों ने 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के मुताबिक प्रदेश में विदेशी कंपनियों की करीब 50 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। बैठक में औद्योगिक इकाई लगाने के लिए जमीन की उपलब्धता में कोई कमी न आने के निर्देश दिए गए। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा लैंड बैंक के सृजन और आवंटन की रिपोर्ट रखी गई। औद्योगिक निवेश नीति के तहत फास्ट ट्रैक आवंटन, फार्मा पार्क और बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के गठन पर भी चर्चा हुई।

सीएम योगी के प्रयासों का प्रतिफल, गरीबी हटाने में सबसे आगे रहा यूपी

- **36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक यूपी में घटी गरीबों की संख्या**
- **नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 2015-16 और 2019-21 के बीच 3.43 करोड़ लोग गरीबी से उबरने में कामयाब रहे**
- **रिपोर्ट में कई पैरामीटर्स पर यूपी में गरीबों की स्थिति में हुआ उल्लेखनीय सुधार**

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों की आय बढ़ाकर उन्हें गरीबी रेखा से बाहर निकालने के लिए किए जा रहे प्रयासों का सुखद परिणाम सामने आया है। नीति आयोग की रिपोर्ट 'राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांकः एक प्रगति समीक्षा 2023' के अनुसार 2015-16 और 2019-21 के बीच जहां भारत मे रिकॉर्ड 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं तो वहीं उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई और 3.43 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से उबरने में कामयाब रहे हैं। 36 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी अनुमान प्रदान करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि बहुआयामी गरीबों के अनुपात में सबसे तेज कमी उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई है। बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों का नंबर यूपी के बाद आता है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में, 2015-16 और 2019-21 के बीच 3,42,72,484 लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। परिणामस्वरूप, प्रदेश में गरीबी में रहने वाले लोगों का अनुपात 2015-16 में 37.68% से घटकर 2019-21 में 22.93% हो गया है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी का अनुपात 2015-16 में 44.29% से घटकर 2019-21 में 26.35% हो गया, जबकि शहरों में यह 2015-16 के 17.72% से हटकर 2019-21 में 11.57 पर आ गया। गरीबी के साथ ही यूपी में गरीबों की हेल्थ, एजुकेशन और स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग संबंधित पैरामीटर्स में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2015-16 में न्यूट्रीशन से वंचित गरीबों की संख्या 30.40% थी जो 2019-21 में घटकर 18.45% पर आ गई। इसी तरह, बच्चों और किशोरों की मृत्यु दर में भी सुधार हुआ है। 2015-16 में यह 3.81% थी जो 2019-21 में घटकर 2.20% पर आ गई। मैटरनल हेल्थ में भी काफी सुधार हुआ और 2015-16 के 25.20% से घटकर यह 2019-21 में 15.97% पर आ गई। स्टैण्डर्ड ऑफ लिविंग के तहत 2015-16 में कुकिंग फ्यूल से वंचित गरीबों का प्रतिशत 34.24 था जो 2019-21 में 17.95% रह गया। 2015-16 में 2.09% पीने के पानी से वंचित थे जो आंकड़ा 2019-21 में घटकर 0.93% रह गया। गरीबी में सर्वाधिक कमी वाले दस जिलेः महाराजगंज- 29.64, गोंडा- 29.55, .बलरामपुर- 27.90, कौशाम्बी- 25.75, खीरी-25.33, श्रावस्ती- 24.42, जौनपुर-26.65, बस्ती- 23.36, गाजीपुर- 22.83, कुशीनगर- 22.28, चित्रकूट- 21.40।

सीएम ने एएनएम स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

- **मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग की 1,573 ए0एन0एम0 स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा : मुख्यमंत्री**
- **अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी चयन प्रक्रिया द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों का चयन किया गया**
- **नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार विगत 06 वर्षो में उ0प्र0 बीमारू राज्य की श्रेणी से उबर कर विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर**
- **प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के परिणाम स्वरूप गरीबी की दर लगभग 11 से 12 फीसदी रह गई**
- **प्रदेश में विगत 06 वर्षो में अनेक मेडिकल कॉलेजों का निर्माण हुआ**

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप नियुक्ति पत्र वितरण के आज के इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की 1,573 ए0एन0एम0 स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। विगत डेढ़ वर्षों में यह 19वां नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम है, इस प्रक्रिया में लगभग 58 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निर्धारित समय-सीमा में पारदर्शी चयन प्रक्रिया द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत जनपदों के लिए चयनित 1,573 ए0एन0एम0 स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 15 ए0एन0एम0 स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा मिशन रोजगार पर तैयार की गयी एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का कार्यक्रम मिशन रोजगार का कार्यक्रम होने के साथ-साथ मिशन शक्ति का भी कार्यक्रम है। एक साथ इतनी बेटियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है। मिशन शक्ति का अभियान महिला सशक्तिकरण करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त ए0एन0एम0 स्वास्थ्य कार्यकर्त्रियां पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारीपूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में अभिवृद्धि करने, उसको प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को देश के लिए नजीर बनाने में अपना योगदान देंगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नियुक्ति और नियुक्ति पत्र वितरण की पूरी प्रक्रिया में कहीं कोई भेदभाव नहीं है। यह प्रक्रिया पूरी निष्पक्षता के साथ सम्पन्न की जा रही है। यदि कोई अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश का निवासी है या उत्तर प्रदेश में नौकरी करना चाहता है और योग्यता रखता है, तो उसे प्रदेश में कार्य करने का अवसर मिलना ही चाहिए। उत्तर प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विभिन्न क्षेत्रों में अभी बहुत कुछ करना शेष है। राष्ट्रीय औसत का लक्ष्य प्राप्त करने के पश्चात अब हमें अन्तरराष्ट्रीय मानकों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। ह्यएक जनपद, एक मेडिकल कॉलेजह्न जैसे प्रयास इसी दिशा में किए जा रहे हैं। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में नर्सिंग, पैरामेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। लगातार इस दिशा में कार्य चल रहा है। इस क्षेत्र में कार्य करने की बहुत सारी सम्भावनाएं हैं। हमें अपने आपको इसके लिए तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में नियुक्ति की प्रक्रिया से जुड़े हुए जो भी आयोग और बोर्ड हैं, उन पर कोई भी उंगली नहीं उठा सकता। तकनीकी का प्रयोग करते हुए सारी प्रक्रियाएं पारदर्शी रुप से सम्पन्न की जा रही हैं। देश के नौजवानों में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है, उनमें प्रदेश के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना है। किसी भी आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया का कोई भी मामला न्यायालय में लम्बित नहीं है। प्रदेश सरकार का किसी भी आयोग या बोर्ड के कार्य में हस्तक्षेप नहीं है। नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराना आयोग और बोर्ड का अधिकार है। वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार विगत 06 वर्षों में उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से उबर कर विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2015-16 में प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या लगभग पौने छः करोड़ थी। प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के परिणाम स्वरूप गरीबी की दर 37.68 प्रतिशत से घटकर 2019-21 के बीच मात्र 3-4 वर्षों में ही 22 प्रतिशत करने में सफलता प्राप्त की है। विगत 02 वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा और गरीब कल्याण आदि विभिन्न क्षेत्रों में किए गए प्रयासों के परिणाम स्वरूप गरीबी की दर लगभग 11 से 12 फीसदी रह गई है। जनपद बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, बदायूं, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, सम्भल, लखीमपुर खीरी, हरदोई और बांदा आदि जनपदों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधन, स्किल डेवलपमेन्ट, रोजगार जैसे विभिन्न पैरामीटर तय किए गए हैं। इन जनपदों में एक अभियान के तहत कार्य किया गया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और नीति आयोग के मार्गदर्शन में प्रथम 08 आकांक्षात्मक जनपदों में परिवर्तन देखने को मिला है। प्रदेश सरकार ने 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों को भी चिन्हित किया। इन विकास खण्डों में विभिन्न विभागों ने शत-प्रतिशत मैनपावर की आपूर्ति करते हुए आकांक्षात्मक विकासखण्डों की स्थिति से उभारने के जो प्रयास हुए हैं, उसके परिणाम सभी को देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन, आजमगढ़,. मण्डल में एकमात्र मेडिकल कॉलेज जनपद गोरखपुर में था। नेपाल और बिहार के मरीज भी इसी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा के लिए आते थे। उन्होंने इस दुर्व्यवस्था के लिए सड़क से लेकर संसद तक निरंतर आवाज उठाई। अब जनपद गोरखपुर के बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज में वातानुकूलित सभागार, वॉर्ड आदि हैं। इलाज के लिए आने वाले प्रत्येक मरीज के लिए एक बेड आरक्षित है। जनपद देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, आजमगढ़,. बहराइच, मेडिकल कॉलेजों में कार्य प्रारम्भ हो चुका है। जनपद कुशीनगर, महराजगंज में मेडिकल कॉलेज का निर्माण चल रहा है। जनपद मऊ में एक नया मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है। जनपद बलिया और संतकबीरनगर में मेडिकल कॉलेज निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। जनपद बलरामपुर में के0जी0एम0यू0 के एक सैटेलाइट सेण्टर के रूप में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की कार्यवाही आगे बढ़ रही है। विगत 06 वर्षों में अनेक मेडिकल कॉलेजों का निर्माण हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोरोना कालखण्ड की दूसरी लहर में प्रत्येक व्यक्ति सहमा हुआ था। उस समय उन्होंने स्वयं विभिन्न जनपदों का दौरा किया। गांव में कोई न कोई ए0एन0एम0 या आशा वर्कर डोर टू डोर कार्य करती हुई दिखती थी। कोरोना के सम्भावित मरीजों की रिपोर्ट वह इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कण्ट्रोल सेण्टर में करती थी। इसके पश्चात मरीज के इलाज की व्यवस्था की जाती थी। उस समय प्रदेश को प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। लेकिन जमीनी धरातल पर कार्य इन हेल्थ वर्करों ने ही किया। इसके परिणामस्वरूप हमनें कोरोना पर विजय प्राप्त की। कार्य करने की इच्छाशक्ति ने ही प्रदेश और देश को बचाया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तपेदिक, काली खांसी, टिटनेस, इन्फ्लुएंजा, पोलियो, खसरा, रूबेला, हेपेटाइटिस बी, रोटावायरस, निमोनिया से सम्बन्धित टीकाकरण के परिणामस्वरूप प्रदेश में शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत के बराबर लाने में सफलता प्राप्त हुई है। मातृत्व मृत्यु दर को भी राष्ट्रीय औसत के समकक्ष लाने में सफलता प्राप्त हुई है। कुछ मामलों में प्रदेश की उपलब्धियां राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2015-16 में 51 फीसदी टीकाकरण के सापेक्ष वर्ष 2019-20 में 70 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश में पूर्ण प्रतिरक्षण का कवरेज 98 प्रतिशत है। इसमें आपकी अहम भूमिका होने जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 में स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग बनाकर कार्यक्रम चलाया। परिणामस्वरूप इंसेफेलाइटिस बीमारी प्रदेश से पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। एक भी बच्चे की मौत इस बीमारी से नहीं होती। जनपद गोरखपुर में इंसेफेलाइटिस से कमजोर तबके के बच्चे असमय काल कवलित होते थे।

गाजियाबाद में दर्दनाक हादसा : सोशल मीडिया पर लाइव करते समय युवक पर चढ़ी भाजपा नेता की कार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में देर रात तीन युवक सड़क पर वीडियो बना रहे थे। वही राजनगर पुल से नीचे उतर रहे एक कार सवार ने वीडियो बना रहे युवक पर कार चढ़ा दी। इस हादसे में युवक की मौत हो गई। कार पर भाजपा का झंडा लगा था और उस पर विधायक लिखा है। वारदात कैमरे में कैद हो गई। युवकों के मुताबिक कार चालक नशे की हालत में लग रहा था। आपको बता दें कि राजनगर पुल पर युवक वीडियो बना रहा था। तभी एक तेज रफ्तार कार युवक को रौंदते हुए आगे चली गई। युवक कार के नीचे फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

युवक वहां वीडियो बना रहे थे, इसलिए ये पूरी वारदात कैमरे में कैद हो गई। युवकों के मुताबिक कार चालक नशे की हालत में लग रहा था। कार की स्पीड भी बहुत अधिक थी। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई। कार का नंबर क्क14 श्वष्ठ 4854 है। इस गाड़ी पर भाजपा का बैनर लगा है। जिस पर विधायक लिखा हुआ है। घटना के समय कार चालक नशे की हालत में लग रहा था। इस घटना के बाद पुलिस को 112 पर कॉल कर बुलाया गया। फिलहाल थाना कविनगर पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

गाज़ियाबाद में एटीएम फ्रॉड करने वाले अंर्राज्यीय गिरोह के 2 शातिर गिरफ्तार, 10 फर्जी एटीएम कार्ड व नगदी बरामद

गाजियाबाद । गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच पुलिस ने दो अंतर्राज्यीय एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच को इनके पास से 10 एटीएम कार्ड और नकदी बरामद हुई है। ये भोले-भाले लोगों से उनका एटीएम बदलकर फ्रॉड करते थे और कई एटीएम मशीन में फेवीक्विक लगा कर लोगो के कार्ड हासिल कर उनके साथ फ्रॉड करते थे। क्राइम ब्रांच द्वारा पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब पर वीडियो देख कर एटीएम फ्रॉड करना सीखा और अन्य साथियों को ट्रेंड किया। पकड़े गए संदीप और गौरव मिश्रा ने पूछताछ में बताया कि

संदीप की पहले मोबाइल की दुकान थी और उसके ऊपर कर्जा होने की वजह से वह यूट्यूब पर वीडियो देखकर एटीएम फ्रॉड को सीख गया और अन्य साथियों को ट्रेंड किया। पकड़ा गया दूसरा आरोपी गौरव मिश्रा एयरटेल कंपनी में काम कर चुका है और उसे अंग्रेजी की अच्छी नॉलेज है। इन लोगों ने अब तक उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश और अन्य इलाकों में एटीएम फ्रॉड किया है।

14 साल की बच्ची की हत्या, घर से 25 लाख गायब, हिरासत में परिवार का करीबी

नोएडा। नोएडा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर में अकेली 14 साल की बच्ची की किसी ने हत्या कर दी और उसके बाद 25 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है और परिवार के परिचित एक शख्स को हिरासत में भी लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मेरठ के रहने वाले डॉक्टर सुदर्शन बैरागी फिलहाल नोएडा के सरस्वती एनक्लेव, सेक्टर-147, पुराना सूतियाना, थाना इकोटेक-3 में परिवार के साथ रहते हैं। वो सेक्टर 93-गेझा में अनुष्का पाली क्लिनिक चलाते हैं। सुदर्शन सुबह को 14 वर्ष की बेटी शिल्पी को अकेले घर पर छोड़कर, पत्नी और दो बच्चों के साथ क्लिनिक चले गए थे। जब वह दोपहर करीब 1.30 बजे वापस लौटे तो पाया कि उनकी बेटी के गले में चुन्नी लगी हुई थी। बच्चे के मुंह में हल्का सा ब्लड आया था। जिसके बाद उसे तुरंत पास के फेलिक्स हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर सुदर्शन ने बताया कि उनके घर पर रखे लगभग 25 लाख रुपए गायब थे। अभी कुछ दिनों पूर्व एक फ्लैट की बिक्री की थी। यह उसी प्लाट के पैसे थे, घर का सारा सामान बिखरा था।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब निकलने लगे सांप

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ का पानी उतरने के बाद यमुना नदी के किनारे घरों से सांप निकलने की सूचनाएं सामने आने लगी हैं। इसके साथ ही बाढ़ राहत शिविरों के आस-पास सांप दिखने से संबंधित शिकायतों को देखते हुए वन विभाग को रैपिड रिस्पांस टीम बनाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही वन विभाग ने जलीय जन्तु दिखने पर1800118600 हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिया है। दिल्ली के वन एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इस संबंध में कहा है कि बाढ़ की स्थिति से इंसानों के साथ-साथ सभी जीव-जंतुओं को भी खतरा है। लगातार पानी में रहने के कारण सांप भी संकट में हैं और अपने लिए सुरक्षित जगह

तलाश रहे हैं। ऐसे में वे घरों में प्रवेश कर रहे हैं। साथ ही यमुना के किनारे राहत शिविर के आस-पास सांप मिलने से संबंधित शिकायतें आई हैं। इसको लेकर वन विभाग को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही रैपिड रिस्पांस टीम बनाने का निर्देश भी दिया गया है। गोपाल राय ने लोगों से अपील की है कि लोगों को घबराने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि सांप देखे जाने पर उसे नुकसान पहुंचाने के बजाय जारी किए गए हेल्पलाइन नम्बर पर कॉल करके सांप को पकड़वाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि हेल्प लाइन पर कॉल करने पर वन्य जीव विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंचेगी और सांप को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ देगी।

सभी की क्षमताओं के उपयोग से ही सशक्त बनेगा भारत : मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि वर्तमान सरकार 'सबका साथ सबका विकास' का उद्देश्य लेकर चल रही है तथा राष्ट्र के निर्माण में दिव्यांग जनों का भी समुचित सम्मान और उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। श्री मेघवाल में साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय दिव्यांग लेखक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस तरह के सम्मेलन इन सबको एक मंच प्रदान करने के लिए श्रेष्ठ कदम साबित होंगे। उन्होंने कई दिव्यांग साहित्यकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में कुछ रंगों की कमी की चिंता न करते हुए रंगों का एक दूसरा इंद्रधनुष तैयार कर लेते हैं, जो हम सबके जीवन में एक नया उजाला भर देता है। उन्होंने सूरदास के प्रिय भजन - 'प्रभु जी, मेरो अवगुन चित न धरो' को प्रस्तुत करते हुए कहा कि सूरदास द्वारा वर्णित कृष्ण लीलाएँ मानो उन्होंने किसी दिव्यदृष्टि से प्रस्तुत की हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृति मंत्रालय प्रयास करेगा कि इस तरह के कार्यक्रम सभी राज्यों में आयोजित किए जाएँ।

बेटे के इलाज के लिए मिली अंतरिम जमानत, थैलेसीमिया से जूझ रहा है बच्चा

15 दिन पर पड़ती है खून चढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। नई दिल्ली, जागरण संवाददाता। गंभीर रूप से बीमार पांच साल के बेटे के इलाज के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग को दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने आरोपित को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करने की सशर्त अनुमति दी। आरोपित ने अंतरिम जमानत की मांग इस आधार पर की थी कि उसका पांच वर्षीय बेटा पर थैलेसीमिया की गंभीर चिकित्सीय स्थिति से गुजर रहा है और उसके हर 15 दिन पर खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

आरोपित की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि इससे पहले भी उनके मुवक्किल को जमानत

दी गई थी और कभी भी इसका दुरुपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल गत चार वर्षों से हिरासत में है। वहीं, अतिरिक्त लोक अभियोजन द्वारा दाखिल की गई बच्चे की चिकित्सा रिपोर्ट को देखने के बाद न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने आरोपित को 15 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया।

भाजपा नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेगी आप

गलत सूचना फैलाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। नई दिल्ली, जागरण संवाददाता। गंभीर रूप से बीमार पांच साल के बेटे के इलाज के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग को दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने आरोपित को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करने की सशर्त अनुमति दी। आरोपित ने अंतरिम जमानत की मांग इस आधार पर की थी कि उसका पांच वर्षीय बेटा पर थैलेसीमिया की गंभीर चिकित्सीय स्थिति से गुजर रहा है और उसके हर 15 दिन पर खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है।

आरोपित की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि इससे पहले भी उनके मुवक्किल को जमानत

दी गई थी और कभी भी इसका दुरुपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल गत चार वर्षों से हिरासत में है। वहीं, अतिरिक्त लोक अभियोजन द्वारा दाखिल की गई बच्चे की चिकित्सा रिपोर्ट को देखने के बाद न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने आरोपित को 15 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया।

पिता को कबूल नहीं था बेटी का सलमान से रिश्ता, युवक को समझाया दूर रहे; लेकिन नहीं माना तो दी खौफनाक मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली। चौहान बांगर में बीच गली में बेटी के प्रेमी सलमान की बेरहमी से हत्या करने वाले पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान मंजूर के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके 16 वर्षीय नाबालिग बेटे को भी दबोच लिया है। इसका दूसरा बेटा मोहसिन फरार चल रहा है।

युवक शरीर पर मिले चाकू के आठ घाव

जिला पुलिस उपायुक्त जाय टिर्की ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सलमान के शरीर पर सीने, गर्दन व पेट पर चाकू के आठ घाव मिले हैं। वारदात के बाद से आरोपित फरार चल रहे थे, बार बार अपने ठिकाने बदल रहे थे। पिता-पुत्र को जाफराबाद थाना क्षेत्र से ही दबोच लिया।

उन्होंने बताया कि पिछले दो

वर्ष से मंजूर की बेटी का सलमान नाम के युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कुछ दिनों पहले मंजूर के बेटों ने सलमान को उनकी बहन से दूर रहने के लिए धमकाया भी था। सलमान मोटरसाइकिल से कल्याण सिनेमा वाली गली से गुजर रहा था, तभी मंजूर, उसके बेटे मोहसिन व 16 वर्षीय नाबालिग ने उसका रास्ता घेर लिया था। चाकू से गला रेतने के बाद शरीर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए थे।

वारदाता सीसीटीवी फुटेज आया सामने

चौहान बांगर में प्रेम प्रसंग में एक व्यक्ति का अपने दो बेटों के साथ बीच सड़क पर एक युवक के चाकू से गला रेतकर हत्या करने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में दिख रहा है कि आरोपित अचानक मोटर साइकिल सवार सलमान को रोककर उस पर चाकू से हमला कर देता है। बाद में उसे जमीन पर गिराकर उसका गला रेत दिया जाता है। घटना के दौरान आसपास लोग भी नजर आ रहे हैं, जो तमाशबीन होकर सलमान पर हमला होते देखते रहे। किसी से हिम्मत जुटाकर उसे बचाने की कोशिश भी नहीं की। कुछ ही सेकंड में वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो और सलमान की मौके पर ही मौत हो गई।

मीडिया संगठनों में अवैध छंटनी के खिलाफ नौ अगस्त को संसद पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखबार, टीवी चैनल और अन्य मीडिया प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों को अवैध तरीके से निकाले जाने के विरोध में कन्फेडरेशन ऑफ न्यूजपेपर्स एंड न्यूज एजेंसी इम्पलाइज आर्गनाइजेशन ने नौ अगस्त को संसद भवन पर बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की है। कन्फेडरेशन की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रदर्शन में देश भर से मीडियाकर्मियों के संगठनों के नेता और प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रदर्शन के साथ ही उस दिन वर्किंग जर्नलिस्ट एक्ट की बहाली और पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। कन्फेडरेशन के अध्यक्ष रास बिहारी , महासचिव एम एस यादव और कोषाध्यक्ष एम एल जोशी ने बयान में कहा कि पूरे देश में जगह-जगह अखबार और समाचार चैनलों से पत्रकार और गैर पत्रकार कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नौकरी से निकाला जा रहा है। इससे पहले कोरोना काल में महामारी के बहाने लाखों कर्मचारियों को मीडिया प्रतिष्ठानों से बिना मुआवजा दिए निकाला गया था। उन्होंने बताया कि कन्फेडरेशन की तरफ से वर्किंग जर्नलिस्ट एक्ट की बहाली और पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग लगातार उठायी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण अखबारों, संवाद समितियों और चैनलों के समक्ष आर्थिक संकट बढ़ता जा रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में अखबार बंद हो रहे हैं।

तेज रफ्तार बाइक पर रोमांस करते कपल का वीडियो वायरल, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कही ये बात

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में कपल द्वारा चलती बाइक पर रोमांस करने के मामले में लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में कपल द्वारा न केवल प्यार की सीमाओं को तोड़ने के बल्कि ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने के कई वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आए हैं, जिससे ट्रैफिक पुलिस की चिंता बढ़ गई है।

ताजा मामला राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का है। यहां सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक कपल को बाइक पर रोमांटिक हरकतें करते हुए देखा जा रहा है। एक सोशल मीडिया यूजर कपल की इस हरकत को कैमरे में कैद कर लिया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। अब तक इस वीडियो को एक लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस पोस्ट पर कुछ यूजर्स ने घटना का मजाक उड़ाया तो कुछ ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता

जाहिर की है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित दिल्ली ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई और एक सलाह के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी है। यूजर की पोस्ट पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लिखा, धन्यवाद, आपसे अनुरोध है कि ऐसे ट्रैफिक उल्लंघन की रिपोर्ट दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सेंटिनल ऐप पर करें। पोस्ट करने वाले यूजर ने वीडियो के बारे में अन्य जानकारी भी दी है। यूजर ने बताया कि यह वीडियो 16 जुलाई को मंगोलपुरी के पास आउटर रिंग रोड फ्लाईओवर पर रिकॉर्ड किया गया था। वीडियो में, एक लड़का तेज गति से बाइक चलाते हुए देखा जा सकता है और पेट्रोल टैंक पर बैठी एक लड़की, अपने साथी को प्यार करते हुए देखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह ऐसी पहली घटना नहीं है। समय समय पर ऐसे मामले में सामने आते रहे हैं। अभी लगभग एक महीने पहले, गाजियाबाद में एक कपल को चलती बाइक पर रोमांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आया था। इस घटना को गाजियाबाद में एनएच 9 पर एक यात्री द्वारा रिकॉर्ड किया गया था। वायरल वीडियो में युवक लड़की को बाइक की टंकी पर उल्टा बैठाकर बाइक पर स्टंट करता नजर आ रहा था। बाइक पर लड़की उल्टी दिशा में लड़के से चिपककर बैठी दिख रही थी।

भाजपा का बड़ा आरोप, बाढ़ संकट में भी धर्म के नाम पर भेदभाव कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली बाढ़ के चलते हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राहत शिविरों में रहने को मजबूर लोगों का घर यमुना की बाढ़ में डूब गया है। जिससे घर का सारा सामान बर्बाद हो गया है।

शिविरों में रह रहे लोगों को मदद करने के लिए सरकार के साथ ही समाज के द्वारा विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं इस बीच, भाजपा ने दिल्ली सरकार पर सहायता के नाम पर हिंदू-मुस्लिम में भेदभाव का आरोप लगाया है।

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर के अनुसार जब सभी दिल्लीवासी जल संकट झेल रहे हैं, ऐसे समय में मटिया महल से विधायक शोएब इकबाल ने अपनी विधानसभा के मिंटो रोड, सीताराम बाजार, कूंचा पाती राम, लाल दरवाजा, चूड़ीवालान आदि के अनुसूचित एवं पिछड़ी जातियों के साथ ही वैश्य समाज और सरकारी कर्मी वर्गों के लोगों को पानी टैंकर तक नहीं दिए।

जबकि मटिया महल, तुर्कमान गेट, पुराना दरियागंज में खूब पानी बोरिंग लाइन एवं टैंकरों से दिया गया।

ज्ञात हो कि बाढ़ के पानी के चलते दिल्ली के कई जल संयंत्र बंद होने से दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल का संकट गहरा गया है। टैंकरों के माध्यम से विभिन्न इलाकों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। इस आरोपों को लेकर विधायक शोएब इकबाल से संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन नहीं हो पाया।

छात्र की सोशल मीडिया पर छवि खराब करने का आरोप, पिता-पुत्री के खिलाफ मुकदमा

नोएडा। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-47 में रहने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र ने दो बहनों और उसके पिता के खिलाफ थाना सेक्टर-49 में मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि ये लोग एक मरे हुए कुत्ते की फोटो कूट रचना के तहत उसकी कार और फोटो के साथ लगाकर सोशल मीडिया पर मर्डर लिखकर डाल रहे हैं, जिससे उसकी छवि खराब हो रही है। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी संदीप चौधरी ने बताया कि सेक्टर-47 के ए-ब्लॉक में रहने वाले कुनाल अवाना ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सेक्टर-47 के सी- ब्लॉक में रहने वाली अनीशा शर्मा पुत्री आनंद शर्मा, अनंदीता शर्मा पुत्री आनंद शर्मा तथा आनंद शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट किया है।

विकसित राष्ट्र के लिए मूलभूत ढांचे के विकास में तेजी लाने की जरूरत: पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं नगरीय विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि वर्ष 2047 तक अपने देश को विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करते देखना चाहते हैं जिसके लिये मूलभूत ढांचे के विकास में तेजी लाने की जरूरत है। श्री पुरी ने 'कनेक्ट करो 2023' दूसरे एवं अंतिम दिन डब्ल्यू आर आई इंडिया की रिपोर्ट मोरफ़ोलॉजी ऑफ डेल्ही नेशनल कैपिटल रीजंस इकोनामिक ज्योग्राफी एंड इंप्लीकेशंस फॉर प्लैनिंग (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आर्थिक भूगोल का आकृति विज्ञान और योजना के निहितार्थ) जारी की। उन्होंने ट्रांसफॉर्मेशनल अर्बनाइजेशन फॉर इंडिया एट 2047 विषयक सत्र के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि वर्ष 2047 तक रूपांतरणकारी बदलाव का लक्ष्य रखने से नवोन्मेष में तेजी और रणनीतिक मूलभूत ढांचे के वित्त पोषण, आर्थिक विकास की योजना, रेजीलियंस के निर्माण और सभी के लिये मानव विकास के उच्च मानकों को हासिल करने के लिये जरूरी सही विकल्प चुनने में आसानी होगी। श्री पुरी ने रूपांतरणकारी बदलाव के उदाहरण के तौर समग्र नगरीयकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिये दक्षतापूर्ण सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में हमारे पास 860 किलोमीटर की मेट्रो लाइन पर ट्रेनों का संचालन हो रहा है और करीब 917 किलोमीटर लम्बी लाइन पर काम किया जा रहा है। जल्द ही हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। हमें अपनी मेट्रो प्रणाली पर गर्व होना चाहिये। मगर नगरीय परिवहन के क्षेत्र में अभी बहुत काम किया जाना बाकी है। जब हम लोगों को चुनने की क्षमता देकर दक्षतापूर्ण परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएंगे, तब परिवहन क्षेत्र में रूपांतरणकारी परिवर्तन का लक्ष्य हासिल कर पायेंगे। मोरफ़ोलॉजी ऑफ डेल्ही नेशनल कैपिटल रीजंस इकोनामिक ज्योग्राफी एंड इंप्लीकेशंस फॉर प्लैनिंग (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के आर्थिक भूगोल का आकृति विज्ञान और योजना के निहितार्थ) में उदारीकरण के बाद दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आर्थिक और स्थानिक रूपांतरण की दिशा और भारत के अग्रणी आर्थिक केन्द्र बनने के लिये अपने उप क्षेत्रों के अंदर उसके रूपांतरण का विश्लेषण किया गया है।

जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बाढ़ राहत कार्यों पर समीक्षा बैठक की

गौतम बुद्ध नगर। मुख्यमंत्री के निदेशों के क्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा बैठक माननीय मंत्री जी ने बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों के द्वारा युद्ध स्तर पर चलाए जाएं बाढ़ राहत कार्य, बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराए अधिकारी बाढ़ राहत कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें जनपद के प्रशासनिक अधिकारी गण उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप जनपद गौतम बुद्ध नगर के बाढ़ प्रभावित ग्रामों के परिवारों को मानकों के अनुरूप राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग बृजेश सिंह ने जनपद गौतम बुद्ध नगर का भ्रमण कर बाढ़ प्रभावित परिवारों को दी जा रही सुविधाओं एवं बाढ़ प्रभावित ग्रामों का स्थलीय निरीक्षण किया। उसके उपरांत जनपद के माननीय प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह के द्वारा शक्ति सदन विद्युत गेस्ट हाउस सेक्टर 38 नोएडा के सभागार में जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राहत कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप बाढ़ राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाएं जाने के निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावितों की मदद में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे इन क्षेत्रों में संक्रामक बीमारियां न फैलने पाए। बैठक में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने माननीय प्रभारी मंत्री जी को बाढ़ को लेकर वर्तमान तक की गई कार्रवाई के संबंध में अवगत कराते हुए बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा पीएसी के द्वारा जनपद में निरंतर रेस्क्यू अभियान संचालित किया जा रहा

है, जिसके माध्यम से निरंतर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों व पशुओं को रेस्क्यू कर बाढ़ राहत केंद्रों में पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में बाढ़ प्रभावित लोगों के रहने के लिए बाढ़ राहत केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनकी देखरेख में वहां पर प्रवास कर रहे लोगों को रहन सहन, खानपान, पीने के पानी, साफ सफाई, बिजली तथा स्वास्थ विभाग की टीमों के द्वारा मेडिकल सुविधा मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही रेस्क्यू कर अस्थाई गौशालाओं में लाए गए पशुओं के लिए भी चारे एवं मेडिकल सुविधा की व्यवस्था की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ राहत कार्यों की मॉनिटरिंग निरंतर नोडल अधिकारियों के द्वारा की जा रही है एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति पर भी सिंचाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा निरंतर पैनी नजर रखी गई है। माननीय मंत्री जी ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर सफाई कराई जाए और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाए। साथ ही बाढ़ के पानी की निकासी के बाद बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की प्राथमिकता पर मरम्मत कराई जाए। मा0 मंत्री ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि बाढ़ राहत केंद्रों में प्रवास कर रहे लोगों के रहन सहन, खानपान, पीने के पानी, साफ सफाई, बिजली तथा मेडिकल सुविधाएं गुणवत्ता के साथ मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। मा0 मंत्री जी ने इस अवसर पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि यमुना नदी का जलस्तर कम हो रहा है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा की गई जानकारी के अनुसार अधिक वर्षा होने की संभावना है, जिसके चलते यमुना एवं हिंडन नदी के जल स्तर में वृद्धि हो सकती है, इसके लिए भी सभी अधिकारी गण अलर्ट मोड में रहकर अपनी तैयारियां पूर्ण रखें और जनपद वासियों को जागरूक करें कि अलर्ट मोड में रहे, कोई भी यमुना नदी में जाकर नहाने, तैरने या सेल्फी लेने का प्रयास ना करें। इस संबंध में जिला प्रशासन के माध्यम से एडवाइजरी भी जारी की जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने माननीय मंत्री जी को आश्वस्त करते हुए कहा कि बाढ़ राहत कार्यों को लेकर आज उनके द्वारा जो दिशा निर्देश प्रदान किए गए हैं उन्हीं के अनुरूप कार्य योजना तैयार करते हुए अधिकारियों के माध्यम से बाढ़ राहत कार्यों को सुनिश्चित कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील शर्मा, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा, जिला अभिहित अधिकारी अर्चना धीरान, जिला मलेरिया विभाग, सिंचाई विभाग एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

दादरी में दुकानदारों से पॉलिथीन पाए जाने पर ₹68000 का जुमार्ना किया वसूल

दादरी। उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के क्रम में डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में संचालित किया जा रहा है पॉलिथीन जब्तीकरण अभियान। नगरपालिका दादरी में अभियान चलाकर 16 दुकानदारों से पॉलिथीन पाए जाने पर ₹68000 का जुमार्ना किया वसूल। उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के क्रम में एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद गौतम बुद्ध नगर में पॉलिथीन जब्तीकरण अभियान के तहत जिला प्रशासन के अधिकारीगण निरंतर स्तर पर अपनी कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी श्रंखला में आज अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दादरी दीपिका शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि अवर अभियंता सिविल जयपाल सिंह के द्वारा पुलिस बल के सहयोग से बिसहाडा रोड, अनाज मंडी, घनश्याम बाजार आदि स्थानों पर दादरी में पॉलीथीन जब्ती करण अभियान चलाया गया, जिसमें पालिका सीमा अंतर्गत लगभग 85 किलो पॉलिथीन जप्त किया गया एवं 16 दुकानदारों पर पॉलीथीन पाए जाने पर ₹68000 का जुमार्ना वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन जब्तीकरण अभियान में स्वास्थ्य प्रभारी सोहराब मेवाती, रामप्रवेश पाल ,सुधीर, विजेंदर सिंह, सोबीर सिह, फिरोज अहमद, कपिल शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा इत्यादि कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा प्लास्टिक पॉलीथीन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है, व्यापक प्रचार प्रसार करने के उपरांत भी दुकानदारों द्वारा पॉलीथीन का प्रयोग किया जा रहा है, जिस कारण जिलाधिकारी के नेतृत्व में प्रतिदिन पॉलिथीन जब्ती करण अभियान चलेगा। अभियान के अंतर्गत जिन दुकानदारों द्वारा पॉलिथीन भंडारण एवं क्रय विक्रय करते पाया जाएगा, उन पर शासनादेशों के अनुपालन में जुमार्ने की कार्यवाही की जाएगी।

पतंग उड़ाते समय छत से नीचे गिरे किशोर की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के फेस-2 थाना क्षेत्र के भंगेल गांव में रहने वाले 15 वर्षीय किशोर की सोमवार सुबह पतंग उड़ाते समय अपने घर की छत से नीचे गिरने के कारण मौत हो गई। फेस-2 थाने के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि अभिजीत मिश्रा पतंग उड़ाते समय अपने घर की छत से नीचे गिर गया और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच कर रही है।

नोएडा में सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। दनकौर थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि अनुज नामक व्यक्ति ने रविवार रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके ताऊ का बेटा विनोद 14 जुलाई को बाइक से हिरनौटी नहर के पास से गुजर रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। रिपोर्ट के मुताबिक, विनोद को बेहद गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

परियोजनाओं की निगरानी एजेंसी करेगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण अपनी परियोजनाओं की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाएगा। इसके लिए एक एजेंसी का चयन किया जाएगा। यह एजेंसी परियोजनाओं की रिपोर्ट प्राधिकरण को देगी। इससे गुणवत्ता सुधरेगी और तय समय पर काम पूरा हो सकेगा। यीडा क्षेत्र में सड़क, सीवर, नालियां, जलापूर्ति प्रणाली, सिविल कार्य, बागवानी, विद्युत कार्य, ओवरहेड टैंक, वाणिज्यिक परिसरों, आवासीय क्षेत्रों का विकास हो रहा है। यहां पर औद्योगिक और संस्थागत इकाइयों का निर्माण हो रहा है। इन परियोजनओं पर करीब सात हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। ऐसे में इनकी गुणवत्ता को बनाए रखना बहुत जरूरी है। एजेंसी का काम होगा कि वह विकास कार्यों का ऑडिट करके प्राधिकरण को रिपोर्ट देना है। एजेंसी यह बताएगी कि सड़क निर्माण में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क और पुल के लिए तय गाइड लाइन का पालन किया जा रहा है या नहीं। एजेंसी का चयन करने के लिए यमुना प्राधिकरण ने आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) निकाल दिया है।

किसानों के धरने में शामिल हुए सपाई : सुधीर भाटी

ग्रेटर नोएडा :- ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा किसानों की मांगे पूरी न कर उनके साथ किये गये धोखे से नाराज किसान के एक बार धरना दे रहे किसानों द्वारा मंगलवार को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना आरम्भ कर दिया। किसानों को समर्थन देने के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में धरने में शामिल हुए। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि काफी लंबे समय से किसान अपने हकों की मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है, इससे पहले भी हजारों किसानों ने 50 से अधिक दिन तक प्राधिकरण कार्यालय के समक्ष धरना दिया, लेकिन जिला में हुए मुख्यमंत्री के दौरे से पहले भाजपा के नेता और प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसान की मांगो मानने का आश्वासन देते हुए धरना को समाप्त करा दिया था! लेकिन भाजपा सरकार और प्राधिकरण के अधिकारियों ने किसानों की मांगो को ना मानने का फैसला लेकर उनको धोखा देने का काम किया है! उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ी है और उनके हक दिलाने के लिए संघर्ष में हरसंभव मदद करेगी। धरना स्थल पर मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान, पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र नागर, सुरेंद्र नागर, कुंवर औरंगजेब अली, जगवीर नंबरदार, मिंटी खारी, रोहित मत्ते गुर्जर, सुनील बदौली, अजय चौधरी एडवोकेट, जुगती सिंह, वकील सिद्दीकी, जय यादव, गजेंद्र रावल, लखन यादव, हैप्पी पंडित, सागर शर्मा, जगत खारी, विक्रम टाइगर, विजय गुर्जर, सीपी सोलंकी, राकेश गौतम, देवेंद्र भाटी, अतुल प्रधान, विपिन सेन, प्रशांत भाटी, संजय भाटी, मोहित नागर, जितेंद्र मांयचा, विशेष मुखिया आदि मौजूद रहे।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कराया समझौता

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के छिड़ौली गांव में हुए पुराने विवाद को पंचायत के जरिए निपटा दिया गया हैं यह विवाद पूरे दादरी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था। छोटी सी बात से शुरू हुआ विवाद धीरे धीरे बड़ा रुप लेता जा रहा था। विवाद में समझौता होने पर पूरे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कराया समझौता आपको बता दें कि बादलपुर थाना क्षेत्र के गांव छिड़ौली के विवाद को लेकर दादरी कस्बे के बिसाहाडा सदन में क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी एच.के. शर्मा के आवास पर एक पंचायत का आयोजन किया गया। यह पंचायत दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर ने बुलाई थी। इस पंचायत में छिडौली के एक सार्वजनिक कुएं पर कांवड़ का जल चढ़ाने को लेकर हुए विवाद को समाप्त घोषित कर दिया गया है। पंचायत में शामिल हुए हिन्दू व मुस्लिम दोनों ही पक्ष के जिम्मेदार लोगों ने एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र में कुछ लिखित शर्तों के आधार पर सहमति व्यक्त की गई है। समझौते में तय किया गया है कि छिडौली में किस कुए पर जलाभिषेक करने को लेकर विवाद हुआ वहां कोई विधिवत मंदिर नहीं बनाया जाएगा। उस कुए का प्रयोग हिन्दू समाज के लोग विवाह शादी एवं पुत्र उत्पन्न होने के वक्त कुआ पूजन की अपनी परंपरा का निर्वहन अवश्य करेंगे। कुए पर कोई बड़ा स्थायी निर्माण करके किसी भी देवी देवता की मूर्ति नहीं लगाई जाएगी बल्कि कुए के ऊपर एक लेंटर डालकर वहां कुए का प्रतिकात्मक स्वरुप स्थापित किया जाएगा जिस पर गांव के हिन्दू समाज के लोग अपनी परंपरा के अनुसार बच्चे पैदा होने व विवाह शादी के वक्त कुआ पूजन कर सकेंगे। इस बात पर हिन्दू व मुस्लिम दोनों ही पक्ष के लोग सहमत हो गए। पंचायत में दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर, क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता के अलावा छिड़ौली व आसपास के गांवों के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना के तहत जनपद के बेरोजगार कृषि स्नातकों को मिलेगा लाभ

गौतम बुद्ध नगर। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर ने जनपद के बेरोजगार कृषि स्नातकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश शासन की प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना माननीय मुख्यमंत्री जी की एक अत्यंत प्राथमिकता वाली योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य कृषि स्नातकों को प्रशिक्षित कर उन्हें योजना के निर्धारित प्रावधानों से लाभान्वित कर अपेक्षित उद्यमों की स्थापना कराकर रोजगार सृजन कराना तथा क्षेत्रीय कृषकों को उन्नत कृषि

निवेशकों की उपलब्धता तथा तकनीकी सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल बेरोजगार कृषि स्नातकों के लिए है। उन्होंने उक्त योजना की पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आवेदन करने के लिए आवेदक की आयु 21 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। जनपद गौतम बुद्ध नगर में वर्ष 2023-24 के लिए कुल 8 एग्री जंक्शन केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए इच्छुक पात्र अभ्यर्थी उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर कार्यालय में अपना आवेदन दिनांक 25 जुलाई 2023 तक जमा करा सकते हैं। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदन करने के लिए अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कार्यरत विषय वस्तु विशेषज्ञ राज किशोर मोबाइल नंबर 8448211463 पर संपर्क स्थापित करके प्राप्त कर सकते हैं।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय ने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण विकास में, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट (एनजीएलएस) लिमिटेड दिल्ली ने आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और समाज के लाभ के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। एमओयू पर हस्ताक्षर समारोह जीबीयू परिसर में हुआ और इसमें जीबीयू और एनजीएलएस प्राइवेट लिमिटेड के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। समझौते पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विश्वास त्रिपाठी और नेक्स्ट जेन लाइफ के सीईओ डॉ. नगमा अब्बासी ने हस्ताक्षर किए। साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और एनजीएलएस के बीच सहयोग अनुसंधान और विकास, ज्ञान साझाकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित कई प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा। साझेदारी का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं स्थापित करना है। दोनों संगठनों की विशेषज्ञता का लाभ

उठाकर, जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के विभिन्न पहलुओं को बढ़ाने के लिए नवीन समाधान विकसित किए जाएंगे। एमओयू विश्वविद्यालय और उद्योग भागीदार के बीच ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान करेगा। एनजीएलएस के शोधकर्ता, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में संकाय और छात्रों के साथ जुड़कर कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। यह सहयोग नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड में इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर भी तैयार करेगा। लिमिटेड। यह उद्योग प्रदर्शन न केवल सीखने के मूल्यवान अवसर प्रदान करेगा बल्कि स्नातक स्तर पर उनकी रोजगार क्षमता को भी बढ़ाएगा। साझेदारी अनुसंधान परिणामों के व्यावसायीकरण और वैज्ञानिक प्रगति को व्यवहार्य उत्पादों और सेवाओं में अनुवाद करने के लिए रास्ते तलाशने का भी प्रयास करती है। यह संयुक्त प्रयास शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाट देगा, यह सुनिश्चित करेगा कि आशाजनक शोध निष्कर्षों का वास्तविक दुनिया पर प्रभाव पड़े। साझेदारी के बारे में बोलते हुए, जीबीयू के कुलपति प्रोफेसर रवींद्र कुमार सिन्हा ने सहयोग के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "यह एमओयू जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एनजीएलएस के साथ जुड़कर, हमारा लक्ष्य एक सहक्रियात्मक वातावरण बनाना है जो वैज्ञानिक उन्नति और सामाजिक विकास को बढ़ावा दे।" डॉ. नगमा अब्बासी, सीईओ, नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड ने इन भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, "हम गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। यह सहयोग हमें विश्वविद्यालय के विशाल प्रतिभा पूल का लाभ उठाने और सार्थक अनुसंधान और विकास के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी उद्योग के विकास में योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। पहल।" डॉ. अब्बासी ने रुपये का नकद पुरस्कार शुरू करने की भी घोषणा की। सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को 25000 रु. यह पुरस्कार प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के अंत में एम.टेक के सर्वश्रेष्ठ छात्र को दिया जाएगा। स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और नेक्स्ट जेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन। लिमिटेड एक उपयोगी सहयोग के लिए मंच तैयार करता है जो औद्योगिक ज्ञान के साथ अकादमिक विशेषज्ञता को जोड़ता है, जो जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व खोजों और तकनीकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। समारोह के दौरान प्रोफेसर एनपी मेलकानिया, डॉ. नागेंद्र सिंह, एचओडी बायोटेक्नोलॉजी, जीबीयू के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. एके सिंह सहित जीबीयू एमओयू समिति के सभी सदस्य भी उपस्थित थे।

स्थानीय किसानों को प्राइवेट अस्पतालों एवं स्कूलों में कानून बनने के बाद भी नहीं मिल रही छूट

ग्रेटर नोएडा: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा सस्ते दरों पर अस्पताल एवं स्कूलों को दी गई जमीन के बदले 2016 की बोर्ड बैठक में पारित कानून के तहत स्थानीय किसानों को 2 घंटे सुबह 2 घंटे शाम ओपीडी फ्री एवं विभिन्न इलाकों पर भारी छूट। स्कूलों के द्वारा स्थानीय किसानों के बच्चों को ट्यूशन फीस में 25% छूट की मांग करते हुए करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक सदस्य आलोक नागर के नेतृत्व में प्राधिकरण के नवनिर्वाचित मुख्य कार्यपालक रवि कुमार एनजी पत्र सौंपा।करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय और आलोक नागर ने बताया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने स्थानीय किसानो अधिग्रहण कर ग्रेटर नोएडा शहर में स्थापित प्राइवेट स्कूल एवं अस्पतालों को सस्ते दरों पर प्लॉट अलॉट किए गए जिसकी एवज में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 2016 की बोर्ड बैठक में स्थानीय किसानों के हित में निर्णय लेते हुए अस्पताल

मालिकों एवं स्कूल संचालकों के साथ बैठक कर निर्णय लिया गया कि प्राइवेट अस्पताल स्थानीय किसानों के लिए 2 घंटे सुबह 2 घंटे शाम ओपीडी फ्री रखेंगे ऑपरेशन में भी 15% छूट दी जाएगी। वहीं प्रत्येक अस्पताल स्थानीय गरीब लोगों के लिए 10% उनका इलाज मुफ्त किया जाएगा।चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि इसी तरह स्थानीय किसानों के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। इसलिए प्रत्येक प्राइवेट स्कूल के द्वारा किसानों के बच्चों को ट्यूशन फीस में 25% छूट दी जाएगी एवं वार्षिक फीस के नाम पर वसूली नहीं की जाएगी। यह कानून ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में बोर्ड बैठक में निर्णय लेते हुए पारित किया लेकिन 7 वर्ष बाद भी ग्रेटर नोएडा के स्थानीय किसानों को ना अस्पताल में लाभ मिल पाया है और ना ही स्कूलों के द्वारा ट्यूशन फीस में छूट दी जा रही है करप्शन फ्री इंडिया संगठन इस मांग को पूर्णता लागू कराने के लिए कार्यकताओं ने प्राधिकरण के नवनिर्वाचित मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी से मुलाकात कर चर्चा करते हुए लिखित पत्र सौंपा। संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी प्रेम प्रधान ने बताया कि प्राधिकरण ने अगर जल्द ही इस कानून को लागू नहीं कराया तो स्थानीय किसान एवं करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ता ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन करेंगे।इस दौरान-आलोक नागर प्रदेश अध्यक्ष बलराज हूण चौधरी प्रेम प्रधान रिंकू बैसला कुलबीर भाटी कृष्ण नागर यतेंद्र नागर सूबेदार जगदीश नागर सत्येंद्र कपासिया धर्मेंद्र भाटी आदि लोग मौजूद रहे।

गोल्ड मेडल जितने वाले रवि राणा को राजपूत सभा करनाल ने 51 हजार रुपए व पगड़ी से किया सम्मानित

करनाल। सेक्टर-8 स्थित महाराणा प्रताप भवन में राजपूत सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गांव बीजना निवासी एथलीट रवि राणा को 51 हजार रुपए का चेक व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। रवि ने उड़ीसा के भुवनेश्वर में आयोजित पांच हजार मीटर दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया था। जिसके चलते रवि राणा का चयन चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चलेगी। रवि राणा ने राजपूत सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरे समाज व देश का नाम रोशन करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। देश के महान एथलीट रहे मिल्खा सिंह के ओलंपिक में मेडल जीतने के सपने को साकार करने के लिए पूरा दम लगा देगा। राजपूत सभा के मुख्य संरक्षक कर्नल देवेंद्र सिंह वीर चक्र, प्रधान डॉ एनपी सिंह, महासचिव बृज पाल राणा ने बताया कि समाज के ऐसे होनहार खिलाड़ियों को राजपूत सभा आर्थिक मदद करेगी, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है एवं मेडल प्राप्त किया है। ऐसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जिला प्रदेश और राष्ट्र का नाम ऊंचा होता है। उन्होंने बताया कि आर्थिक तंगी के चलते किसी भी खिलाड़ी का खेल नहीं छुटना चाहिए। समाज के युवाओं को अनुशासित होकर खेलों के क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। रवि प्रतिभावान व उत्कृष्ट खिलाड़ी है। जिसके प्रदर्शन से पूरे समाज का सीना गर्व से चौड़ा हुआ है। अब युवा पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अपना भविष्य बनाए। तेजपाल बीजना व जिला परिषद सदस्य गुरदीप बीजना ने बताया कि रवि ने यहां तक पहुंचने में कड़ी मेहनत की है। नहर की पटरी पर प्रैक्टिस करके गोल्ड मेडल तक का सफर तय किया है। इन्होंने कहा कि गांव बीजना शुरू से ही खेलों का हब रहा है। वॉलीबॉल में गांव के पांच खिलाड़ी करनाल जिले का नाम चमका चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बीजना गांव का यह लड़का चाइना में भी भारत का ध्वज लहराऐगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अजमेर सिंह, प्रवीन चौहान, चरण सिंह, रामपाल राणा, प्रेस सचिव बिशपाल राणा, मानसिंह एडवोकेट, मलखान सिंह गोंदर, दीपक मैनेजर, गौरव राणा अरड़ाना सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

नहीं हुआ मांगों, समस्याओं का समाधान, रोडवेज कर्मचारी नाराज

हिसार। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने रोडवेज अधिकारियों के रवैये पर रोष जताया है। सांझा मोर्चा ने कहा है कि महाप्रबंधक व उपायुक्त को दिए गए मांगपत्रों पर कोई कार्रवाई न होने पर डिपो में एक बार फिर आंदोलन शुरू हो सकता है और इसके जिम्मेवार रोडवेज अधिकारी होगे। इस संबंध में सांझा मोर्चा के पदाधिकारियों आवश्यक बैठक वरिष्ठ नेता रमेश श्योकंद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बैठक में कहा गया कि सांझा मोर्चा की ओर से 15 मई को महाप्रबंधक को तथा 29 मई को उपायुक्त को भी ज्ञापन सौंपा गया था लेकिन कर्मचारियों की लंबित समस्याओं पर कोई समाधान नहीं हुआ। इसी के चलते मांगे पूरी नहीं होने के विरोध में 16 दिन धरना-प्रदर्शन चला था और सरकार की ओर से अस्थाई रूप से अतिरिक्त जीएम लगाकर समस्याओं एवं मांगों के समाधान का आश्वासन भी दिया गया था। इस पर सांझा मोर्चा की हिसार डिपो कार्यकारिणी ने राज्य स्तरीय सांझा मोर्चा द्वारा बताए गए प्रधान सचिव परिवहन विभाग हरियाणा सरकार के आश्वासन पर 15 जुलाई तक के लिए धरने को स्थगित किया था। बैठक में कहा गया कि अभी तक न तो अतिरिक्त महाप्रबंधक की केसों के निपटान के लिए अस्थाई नियुक्ति की गई है और न ही महाप्रबंधक हिसार ने कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया है। इसके अलावा हिसार डिपो महाप्रबंधक ने अभी तक सांझा मोर्चा को एक महीने का समय लेने के बावजूद भी कर्मचारियों के कार्यों के निपटान की कोई सूची जारी नहीं की है।

बैठक में आरोप लगाया कि हिसार डिपो महाप्रबंधक अपने अडियल रवैये के साथ कर्मचारियों पर द्वेष भावना से किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए तैयार नहीं हैं। सांझा मोर्चा ने आज हुई बैठक में निर्णय लिया कि सरकार एवं उच्चाधिकारियों की वादाखिलाफी को देखते हुए सांझा मोर्चा किसी भी समय एक बड़ा आंदोलन कर सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेवारी विभाग के प्रधान सचिव एवं हिसार डिपो महाप्रबंधक की होगी।

अधिक बरसात में ऐसे बचाएं कपास की फसल

हिसार। बरसात के बाद कपास में निराई गुड़ाई करें। अगर आपने बिजाई के समय डीएपी डाल दिया है तो अच्छी बारिश के बाद बीटी कपास में एक बैग यूरिया का छिड़काव करें। अगर बिजाई के समय डीएपी नहीं डाला है तो अब अच्छी बरसात के बाद उसमें डीएपी डालें। देसी कपास में कोई भी खाद डालने की आवश्यकता नहीं है।

यह सलाह चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने किसानों के लिए जारी की है। कुलपति ने बताया कि बिना सिफारिश किए गए खाद न डालें तथा फसल में एनपीके इत्यादि का छिडकाव भी बिजाई के सौ दिन बाद ही करें। अधिक बरसात के बाद कपास के खेत से पानी की निकासी सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में स्प्रै के घोल में चिपचिपा पदार्थ जैसे सेण्डवित, सेलवेट 99 या टीपोल की 60 मिलीलीटर मात्रा प्रति 200 लीटर घोल मिलाएं।

जुलाई माह में कपास की फसल में थ्रिप्स/चूरड़ा, सफेद मक्खी व हरे तेला का भी प्रकोप हो जाता हैं। 60 दिनों से कम अवधि की फसल में थ्रिप्स संख्या यदि 30 थ्रिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें। सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिले तो फ्लॉनिकामिड़ (उलाला) 50 डब्लू जी की 60 ग्राम मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से एक छिड़काव करें।

अनुसंधान निदेशक डॉ जीतराम शर्मा ने बताया कि नरमा की फसल के आसपास बीते साल की नरमा की बनछटिया रखी हुए हैं या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है, उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि इन खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप पहले से अधिक होता है।

सफाई कर्मचारी ने नगदी व कीमती सामान लौटाकर दिया ईमानदारी का परिचय

कैथल। ईमानदारी इंसान की सबसे अच्छी नीति होती है। आज के समय में जहां बेईमानी के किस्से अधिक सुनने को मिलते हैं तो वहीं ईमानदार लोगो की भी समाज में कोई कमी नहीं है, जो अपना ईमान बनाये रखे हुए हैं। ईमानदारी आज भी जिंदा है जिसका उदाहरण आज गांव टीक निवासी सुमित कुमार पुत्र बाबूराम (भोला राम) वाल्मीकि ने सफाई करते समय मिली ज्वैलरी व कीमती सामान को लौटाकर दिया है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा रोडवेज कैथल में कौशल निगम के तहत स्वीपर के पद पर कार्यरत सुमित कुमार अपनी दिनचर्या के अनुसार सफाई कार्य में लगा हुआ था। रात करीब 12 बजे दिल्ली से कैथल एक बस पहुंची जिसमें सुमित जब सफाई करने के लिए अंदर गया तो उसने बस में एक थैला मिला। थैले में चांदी की ज्वेलरी, काफी कीमती सामान व जरूरी कागजात थे। सफाईकर्मी सुमित ने ईमानदारी का परिचय देते हुए रोडवेज के ड्राइवरों और कंडक्टरों को इसकी जानकारी दी और उस थैले में से सवारियों का पता निकालने का प्रयास किया। थैले में तलाश करने पर उपरोक्त ज्वेलरी व कीमती सामान के मालिक का नंबर मिल गया। रोडवेज ड्राईवर महाबीर ने सामान को पुंडरक निवासी एक सवारी का पाया जोकि बस में भूल गए थे और वे चिंता में थे परंतु जैसे ही सफाई कार्य करते समय सुमित ने उपरोक्त बैग को देखा तो उन्होंने इसको मालिक तक पहुंचाने का निर्णय लिया और अपनी ईमानदारी का परिचय दिया। सुमित कुमार ने कहा कि वह गांव टीक का रहने वाला है और बाबू राम (भोलू राम) का लड़का है, उनको ईमानदारी उनके परिवार से मिली है। सफाई कार्य के चलते उन्हें पहले भी कई बार ऐसे सामान मिले हैं जिसे वे मालिक तक पहुंचाने का काम करते हैं। सुमित ने कहा कि उनकी केवल एक ही सोच है कि चंद रुपयों के लिए अपना ईमान नहीं डोलने देना, इसलिए उनके कार्य की आज सभी प्रशंसा कर रहे हैं।

23 जुलाई को 'हरी चुनरी चौपाल' कार्यक्रम तोड़ेगा रिकॉर्ड : लितानी

नारनौल। जननायक जनता पार्टी द्वारा 23 जुलाई को गांव नायन में हरी चुनरी चौपाल के तहत जनसभा आयोजित की जाएगी। जिसकी तैयारियों को लेकर जजपा नेताओं ने नलवाटी क्षेत्र के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को हरी चुनरी चौपाल में आने का न्यौता दिया।

इस संबंध में जिला प्रवक्ता सिकंदर गहली ने बताया कि इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं खादी बोर्ड के चेयरमैन राजेंद्र लितानी, महिला प्रदश अध्यक्ष शीला भ्याना, प्रदेश सचिव निर्मला रेड्डू के अलावा नांगल चौधरी हल्का के अध्यक्ष हजारीलाल लंबोरा, पार्षद संदीप भांखर व कार्यालय सचिव वीरेंद्र घाटासेर मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी ने गांव सरेली व घाटासेर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जेजेपी नेत्री सावित्री देवी की अगुवाई में 71वां हरी चुनरी चौपाल कार्यक्रम होने जा रहा है।

इसकी सफलता के लिए नांगल चौधरी हलके से जुड़ी महिलाओं को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि इन जनसभा में महिलाओं से जुड़ी समस्याओं को रखा जा सके और उन्हें उनके हक अधिकारों के प्रति सजग किया जा सके। यह जनसभा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला के दिशा-निर्देश पर इस जनसभा को विधायक नैना चौटाला संबोधित करेगी। उन्होंने कहा कि इस जनसभा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं की अलग-अलग ड्यूटी लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़ी यह जनसभा जिला में ऐतिहासिक होगी ।

विद्युत निगम कार्यालय का दशकों पुराना भवन हुआ जर्जर

रेवाड़ी। कोसली स्थित विद्युत निगम कार्यालय का दशकों पुराना जर्जर भवन हादसों को न्यौता दे रहा है। इस भवन में कर्मचारी दहशत के साए में काम करने को मजबूर हैं। यहां हर समय लोगों का आना-जाना लगा रहता है। बारिश के दिनों में तो हालत और भी खराब है। कार्यालय के कमरों की छतों का प्लास्टर टूट कर गिर रहा है और पानी टपकता है। कर्मचारियों व लोगों को हर समय खतरा बना रहता है। इतना ही नहीं टपकती छतों के कारण निगम का रिकॉर्ड भी भीग रहा है।

कर्मचारियों की मांग है कि निगम कार्यालय के लिए नये भवन का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विद्युत निगम के उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। परंतु अधिकारी शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि निगम का दशकों पूर्व बना कार्यालय भवन

व कर्मचारी आवास जर्जर हो चुके हैं। इनके बने रहने की अवधि पूरी होने से इमारत की खस्ता हालत हो गई है। निगम के कर्मचारियों को रहने के लिए दिए गए आवास भी लगभग क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिनके कारण उनमें रहना खतरे से खाली नहीं है।

माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड पुनर्गठित

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल ने माता मनसा देवी श्राइन एक्ट 1991 के तहत कार्रवाई करते हुए मंगलवार को श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड पंचकुला का पुनर्गठन कर दिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री इस बोर्ड के अध्यक्ष और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। बोर्ड के सदस्यों में मुख्य सचिव व शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव होंगे। माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड, पंचकूला के उपायुक्त और मुख्य प्रशासक सदस्य सचिव होंगे। इसी प्रकार गैर सरकारी सदस्यों में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पूर्व विधायक लतिका शर्मा, भाजपा नेत्री बंतो कटारिया, पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल, पंचकूला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अरुण ग्रोवर और हरि चंद गुप्ता हैं। सहयोगी सदस्यों में विशाल सेठ और ईश्वर जिंदल को भी शामिल किया गया है।

लालूपुरा वासियों के लिए राहत भरी खबर, यमुना भूमि कटाव को रोकने में मिली कामयाबी

करनाल। विधायक हरविन्द्र कल्याण और जिला प्रशासन के पिछले दिनों के प्रयासों के कारण लालूपुरा वासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। यमुना भूमि कटाव को रोकने में प्रशासन को कामयाबी मिली है। तटबंध को मजबूत करने का कार्य जारी है। उपायुक्त अनीश यादव मंगलवार को लालूपुरा तटबंध पर निरीक्षण करने पहुंचे, वहां घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण लोगों के भारी लाव लश्कर के साथ पहले से ही मोर्चे पर डटे हुए थे। इस मौके पर उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि कटाव को रोकने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी रखें। तटबंध पूरी तरह से मजबूत हो ताकि लोगों के जानमाल का नुकसान होने से बचाया जा सके।

यमुना नदी के तट पर स्थित लालूपुरा गांव और खरावजपुर यमुना तट का निरीक्षण करने उपरांत उपायुक्त अनीश यादव ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि यमुना के बढ़ते जल स्तर के कारण लालूपुरा के नजदीक भूमि कटाव हो रहा था। समय रहते प्रशासन द्वारा इस पर एक्शन लिया गया और भूमि कटाव को रोकने के लिए प्रयास तेज किए गए। विधायक हरविन्द्र कल्याण ने भी स्थिति को संभालने में पूरी मदद की और टीम की तरह प्रशासन के साथ अपना सहयोग दिया। परिणामस्वरूप लालूपुरा में भूमि कटाव को रोकने में प्रशासन को कामयाबी मिली।

उपायुक्त ने आमजन से की अपील

उपायुक्त अनीश यादव ने आमजन से अपील की कि बच्चों और बुजुर्गों को यमुना नदी के तट के नजदीक न आने दें। केवल सहयोग के उद्देश्य से आने वाले सक्षम युवाओं को ही आगे आने दिया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के सीजन में यमुना नदी का जल स्तर बढना स्वाभाविक है और इस यमुना का झुकाव हरियाणा की ओर अधिक हो रहा है। ऐसे में सभी को सावधानी बरतने की जरूरत है।

भूमि कटाव को रोकने में 500 श्रमिकों सहित मशीनों की ली मदद

घरौंडा की एसडीएम अदिति व सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता नवतेज सिंह ने बताया कि लालूपुरा स्थित यमुना भूमि कटाव को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा पानीपत से कोल बोल्डर पत्थर मंगवाए जा रहे हैं। इसके अलावा मिट्टी के कट्टों का प्रयोग करते हुए यमुना तट पर स्टड की मजबूती के लिए कार्य किया जा रहा है जिस पर 24 घंटे कार्य जारी है और शिफ्टों में करीब 500 मजदूर काम कर रहे हैं। इसके अलावा 30 डंपर कोल बोल्डर पत्थर को लाने में जुटे हुए हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर 10 ट्रैक्टर ट्रोली, 7 जेसीबी तथा 4 पोपलेन मशीन भी प्रयोग में लाई जा रही हैं। इन सभी मशीनरियों और श्रमिकों के अथक प्रयासों से स्थिति को काबू करने में सहायता मिली है।

भूमि कटाव को रोकने के लिए खराजपुर में भी प्रयास जारी - उपायुक्त अनीश यादव।

उपायुक्त अनीश यादव ने खराजपुर तटबंध का निरीक्षण किया और वहां पर भूमि कटाव को रोकने के लिए किए जा रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि भूमि कटाव को रोकने के लिए प्रशासन द्वारा खराजपुर में भी प्रयास तेज किए जा रहे हैं। इसके अलावा जरूरत पडने पर अतिरिक्त मशीनरी का भी प्रयोग किया जाएगा। प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने, डीडीपीओ राजबीर खुंडिया को अतिरिक्त श्रमिकों की व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिए।

आरसीसी पैरलल ड्रेन का रखरखाव अब सरस्वती बोर्ड करेगा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र में सरस्वती नदी के साथ-साथ तैयार की गई आरसीसी पैरलल ड्रेन के रखरखाव का जिम्मा अब हरियाणा सरस्वती बोर्ड को देने के निर्देश दिए हैं। अभी तक इसकी जिम्मेदारी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की थी। सरस्वती बोर्ड के उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री व हरियाणा सरस्वती बोर्ड के अध्यक्ष ने कुरुक्षेत्र में आरसीसी पैरलल ड्रेन की देखरेख का जिम्मा सरस्वती बोर्ड को दे दिया है। उन्होंने बताया कि यह ड्रेन खेडी-मारकंडा से लेकर कुरुक्षेत्र शहर के मध्य से होते हुए नरकातारी एसटीपी तक चलती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 18 कि.मी. है तथा इसकी क्षमता 70-80 क्यूसिक पानी की है। धूमन सिंह किरमच ने बताया कि वे इस ड्रेन के रखरखाव के लिए पिछले एक वर्ष से प्रयासरत थे। इस ड्रेन के अधिकार बोर्ड के पास आने से बरसात के दिनों में बाढ़ के पानी की इस ड्रेन के माध्यम से भी निकासी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सरस्वती बोर्ड की कोशिश रहेगी कि इसमें गन्दा पानी न जाए, इसके लिए ड्रेन को उपर से भी कवर किया जाएगा।

सीएम से वर्षों से लंबित सड़क निर्माण के मसले को सुलझाने का किया आग्रह

सोनीपत। शहर के आईटी चौक से सिंचाई विभाग कार्यालय के बीच की तीन वर्षों से लंबित सड़क के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से सोनीपत प्रवास के दौरान उनसे भेंट करके दो विभागों के बीच फंसा सड़क निर्माण का मामला सुलझाने का आग्रह किया है। मंगलवार की सुबह छोटू राम विश्वविद्यालय के रेस्ट हाउस में राजीव जैन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें अवगत कराया कि 6 वर्ष पूर्व सफियाबाद से आईटी चौक तक सड़क को फोरलेन करने का हरियाणा राज्य सड़क निर्माण विभाग द्वारा 110 करोड़ रूपये की लागत से टेंडर किया गया था। बाद में सिंचाई विभाग कार्यालय तक निर्माण पूरा हो गया है मगर डेढ़ किलोमीटर की सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग तथा स्थानीय निकाय विभाग के बीच उलझा हुआ है। लोक निर्माण विभाग ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि हमारे टेंडर की राशि खत्म हो चुकी है। राजीव जैन ने मुख्यमंत्री को बताया कि लोक निर्माण विभाग ने स्थानीय निकाय विभाग को पत्र भेज दिया कि बाकी सडक़ का निर्माण स्थानीय निकाय विभाग करवाए परंतु नगर निगम के अधिकारी कह रहे हैं कि विभाग द्वारा स्वीकृति पत्र नहीं भेजा गया है और न ही फंड कौन खर्च करेगा, इसका फैसला हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से जानलेवा गड्ढ़ों के कारण राहगीरों की हालत खराब है। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद डीसी ललित सिवाच को मसले का हल करने के निर्देश दे दिये।

हरियाणा के अधिकारियों ने आईटीओ बैराज का किया दौरा

चंडीगढ़। दिल्ली में बाढ़ के मुद्दे पर हरियाणा व दिल्ली सरकार के बीच चल रहे विवादों का पटाक्षेप करने के लिए हरियाणा के अधिकारियों की एक टीम मंगलवार को आईटीओ बैराज पहुंची। टीम ने सभी गेटों का मुआयना किया। अधिकारियों का यह दल जल्द अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप सकता है। दरअसल, पिछले सप्ताह बाढ़ आने के बाद हरियाणा व दिल्ली सरकारें आमने-सामने आ गई थीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा उनके मंत्रियों ने हरियाणा पर हथिनी कुंड बैराज से अत्याधिक पानी छोड़ने का आरोप लगाया और दिल्ली में आई बाढ़ के लिए हरियाणा को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद हरियाणा सरकार ने दावा किया था कि हथिनी कुंड बैराज है, डैम नहीं है। इसलिए यहां पानी छोडने की मात्रा को तय नहीं किया जा सकता। इसके बाद दिल्ली सरकार ने आईटीओ बैराज के सभी गेट नहीं खुलने का आरोप लगाया था। इन आरोपों की सच्चाई जानने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 15 जुलाई को दो सदस्यीय हाई लेवल फैक्ट फाइंडिंग टेक्निकल कमेटी बनाने के आदेश

दिए थे। कमेटी में दो इंजीनियर इन चीफ को सदस्य बनाया गया। हरियाणा सिंचाई विभाग के ईआईसी सतबीर कादयान की अध्यक्षता में एक टीम ने मंगलवार को दिल्ली का दौरा किया। इस टीम ने पूरी गहनता से जांच के बाद कहा कि आईटीओ बैराज के 30 गेट खोले जा चुके हैं। दो गेटों को सेना की मदद से खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अधिकारियों की टीम लगातार जांच कर रही है। रख-रखाव को लेकर हरियाणा पर जो आरोप लग रहे हैं, वह पूरी तरह से निराधार हैं। कादयान ने कहा कि पूरे मामले की जांच कर ली गई है। बहुत जल्द सरकार को इस बारे में रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

फतेहाबाद को बाढ़ से बचाने के लिए रतिया सडक़ को दो जगह से तोड़ा गया

फतेहाबाद। घग्घर और रंगोई के कारण फतेहाबाद शहर पर बढ़ते बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए प्रशासन द्वारा गांव अयाल्की के पास फतेहाबाद-रतिया स्टेट हाइवे की सडक़ को जेसीबी की सहायता से दो जगह तोड़ दिया गया। गांव अयाल्की के खेतों से होते हुए बाढ़ का पानी तेज रफ्तार से शहर की तरफ आ रहा है, इसका दवाब करने के लिए सडक़ को तोडक़र यहां के पानी को दूसरी ओर निकाला गया। अब यह पानी फतेहाबाद शहर की बजाय गांव दौलतपुर, खान मोहम्मद, हिजरावां कलां होते हुए सिरसा जिले के डिंग एरिया में जाएगा। सडक़ तोडने के बाद अयाल्की के दो ग्रामीणों के गुट आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया लेकिन बाद में मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा कर शांत करवाया। फतेहाबाद-रतिया सडक़ को बीच से तोडने के कारण फतेहाबाद जिला मुख्यालय का वाया

रतिया होते हुए पंजाब से सम्पर्क कट गया है। फतेहाबाद से रतिया जाने वाले वाहनों को भी लिंक मार्गों से निकाला जा रहा है। अयाल्की के पास सडक़ तोडने के बाद रतिया एरिया भी अब अलग-थलग पड़ गया है। रतिया को पंजाब से जोडने वाला बुढलाडा रोड, रतिया-भूना रोड, रतिया वाया कमाना बरेटा रोड, रतिया-जाखल रोड, रतिया-पिलछिया रोड पहले ही बंद थी। आज फतेहाबाद जाने वाली सडक़ तोड़ देने से रतिया का जिला मुख्यालय से भी सम्पर्क कट गया है। हालांकि सडक़ के तोडने से बहाव दूसरी तरफ शिफ्ट होने से फतेहाबादवासियों ने कुछ राहत की सांस ली है। इससे शहर पर बाढ़ का खतरा कम हुआ है।

सुपर मॉडल गिगी हदीद गिरफ्तार, सुरक्षा जांच में मिला गांजा

लॉस एंजेलिस । हॉलीवुड की सुपरमॉडल और एक्ट्रेस गिगी हदीद को गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें केमैन के ओवेन रॉबर्ट्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा है। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके तुरंत बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया। जानकारी के अनुसार सुपरमॉडल केमैन आइलैंड में छुट्टियां मनाकर लौट रही थीं जब कस्टम विभाग को उनके सामान से ड्रग्स बरामद हुए। गिगी हदीद और उनकी एक दोस्त निजी विमान से केमैन आइलैंड पहुंचे थे। जांच करने पर कस्टम ऑफिसर को उनके सामान में नशा संबंधित सामान मिला। गिगी हदीद को मारिजुआना आयात करने के शक में गिरफ्तार किया गया। यह मामला 10 जुलाई का है जो अब सामने आया है। 12 जुलाई 2023 को गिगी और उनकी दोस्त मैक्राथी समरी कोर्ट में पेश हुई, और ऑफिसर्स ने उन्हें आरोपों के लिए दोषी ठहराया। बाद में एक हजार डॉलर का जुर्माना लगाने के बाद दोनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस मामले में हदीद के एक प्रवक्ता ने सफाई में कहा कि सुपरमॉडल मेडिकल लाइसेंस के साथ एनवाईसी में कानूनी रूप से खरीदे गए मारिजुआना के साथ यात्रा कर रही थीं। यह 2017 से ग्रैंड केमैन में चिकित्सा उपयोग के लिए भी कानूनी है। उसका रिकॉर्ड स्पष्ट है और उन्होंने आइलैंड पर अपने बाकी समय का भरपूर आनंद लिया। रिहा होने के बाद हदीद ने केमैन आइलैंड्स पर ली गई अपनी हॉलिडे फोटोज और वीडियो शेयर किए और लिखा, अंत भला तो सब भला। इस वीडियो में वह बिकिनी पहने और समुद्र के किनारे दोस्त के साथ धूप का आनंद लेती दिखाई दे रही है।

भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया

जिनेवा। भारत ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए संयुक्त राष्ट्र को 10 लाख डॉलर का दान दिया है भारत के योगदान को स्वीकार कर ग्लोबल कम्युनिकेशंस के अवर महासचिव मेलिसा फ्लेमिंग ने ट्वीट किया, भारत में हिंदी भाषी दर्शकों के लिए संयुक्त राष्ट्र समाचार और कहानियां लाने के लिए हमारी हिन्दी सेवा में उनके उदार निवेश के लिए हम आभारी हैं। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज, जिन्होंने पिछले शुक्रवार को उन्हें चेक दिया था, ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, हिंदी भाषा में समाचार और मल्टीमीडिया सामग्री को मुख्यधारा में लाने और समेकित करने के संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों की भारत और उन देशों में सराहना की गई है जहां हिंदी भाषी आबादी रहती है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महासभा और सुरक्षा परिषद को संबोधित किया, जहां एक साथ अनुवाद उपलब्ध है, लेकिन उन्होंने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में अंग्रेजी में बात की थी। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा की गई थी, जो 1977 में विदेश मंत्री रहते हुए संयुक्त राष्ट्र में इस भाषा में बोलने वाले पहले भारतीय अधिकारी बने थे। संयुक्त राष्ट्र की शुरुआत 1945 में अंग्रेजी की तीन व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं के साथ हुई थी। फ्रेंच और स्पैनिश ने अपने मृत पूर्ववर्ती, राष्ट्र संघ से, रूसी और चीनी के साथ, दो स्थायी सदस्यों की भाषाओं को आधिकारिक और कामकाजी भाषाओं के रूप में आगे बढ़ाया। इसने 1973 में अरबी को आधिकारिक भाषा के रूप में जोड़ा। संयुक्त राष्ट्र अपनी बैठकों में छह भाषाओं में दस्तावेजों की एक साथ व्याख्या और अनुवाद प्रदान करता है। देश अपनी भाषा से भाषणों के एक साथ अनुवाद की व्यवस्था कर सकते हैं जैसा कि भारत ने हिंदी या अपनी भाषा में किया है। संयुक्त राष्ट्र मीडिया संगठनों ने 2018 में स्वाहिली और पुर्तगाली के अलावा हिंदी में वेबसाइट और सोशल मीडिया पोस्ट चलाना शुरू किया। भारत ने 2003 में विदेश मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति के गठन के साथ संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं की सूची में भारत को शामिल करने के अपने प्रयास शुरू किए और 2007 में 8वें विश्व हिंदी सम्मेलन की सिफारिश पर इसने अपने प्रयासों को नवीनीकृत किया। हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल करने के लिए 193 सदस्यों के बहुमत से अनुमोदन प्राप्त करने के अलावा, भारत को नकदी संकट से जूझ रहे संयुक्त राष्ट्र के लिए व्याख्याओं और अनुवादों की अधिकांश लागत वहन करनी होगी।

अमेरिका में बच्चे ने 1 साल की बहन को मारी गोली, अस्पताल में तोड़ा दम

कैलिफोर्निया । अमेरिका के कैलिफोर्निया शहर में आए दिन गोलीबारी की घटना सामने आती रहती है। हालांकि ये वारदात किसी हमलावर द्वारा नहीं बल्कि एक तीन साल के बच्चे के द्वारा अंजाम दिया गया है। कैलिफोर्निया के शेरिफ डिपार्टमेंट ने घटना संबंधित एक विवरण जारी किया। जिसमें बताया गया कि हाल ही में शेरिफ विभाग को फॉलबुक में एस. स्टेजकोच लेन के 1100 ब्लॉक में एक आवास पर गोलीबारी के बारे में सूचना मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि एक तीन साल के बच्चे ने गलती से अपनी एक साल की बहन को गोली मार दी। इसके बाद विभाग के अधिकारी घटना की पुष्टि के लिए मौके पर पहुंचे। मामले की तफ्तीश के दौरान पता चला कि 3 वर्षीय बच्चे के हाथ पिस्तौल लग गई थी। इस दौरान उसने खेल-खेल में गोली चला दी और उसके एक साल की बहन को जा लगी। इसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। विभाग ने डिटेल में निजी सुरक्षा के चलते बच्ची का नाम उजागर नहीं किया। विभाग ने बच्ची की मौत पर सहानुभूति भी जाहिर किया और कहा कि शेरिफ के होमिसाइड जांचकर्ता मौत की परिस्थितियों को निर्धारित करने के लिए अधिक जानकारी इकट्ठा करने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें कोई भी संदिग्ध नहीं है और समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है। मामले की जांच जारी है। साथ ही बताया कि सैन डिएगो काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है और जांच के दौरान हमारे निष्कर्षों से अपडेट किया जाएगा। इसके अलावा बताया कि बच्ची की मौत का कारण और तरीका पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

कोरोना के जन्मदाता वुहान इंस्टीट्यूट पर चला यूएस का चाबुक

वॉशिंगटन । कोविड-19 का कारक सार्स-सीओवी-2 वायरस की उत्पत्ति के लिए कथित तौर जिम्मेदार माने जा रहे चीन के वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी की संघीय फंडिंग पर बाइडेन प्रशासन ने रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि लैब द्वारा सुरक्षा उपायों के बारे में दस्तावेज उपलब्ध कराने में नाकाम रहने के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया। ज्ञापन के अनुसार स्वास्थ्य और मानव सेवा (एचएचएस) विभाग ने वुहान संस्थान को निलंबन के बारे में सूचित किया और प्रयोगशाला को यह भी बताया कि वह इसे स्थायी रूप से बंद करना चाहता है। पिछले सितंबर में शुरू हुई समीक्षा के बाद एचएचएस ने पाया कि चीन के वुहान में स्थित यह सुविधा संघीय नियमों का अनुपालन नहीं करती है। एचएचएस के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा कि यह कार्रवाई गारंटी देती है कि संस्थान को कोई और संघीय फंडिंग नहीं मिलेगी। लैब को जुलाई 2020 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से पैसा नहीं मिला है। कोविड-19 की उत्पत्ति की चल रही जांच के बीच जैव सुरक्षा प्रथाओं पर दस्तावेज साझा करने में नाकाम रहने पर अमेरिका द्वारा लैब को दंडित करना अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई है। संस्थान इस बात पर चर्चा का केंद्र बन गया है कि कोविड महामारी, जिसने लगभग 70 लाख लोगों की जान ले ली है, कैसे शुरू हुई। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे सहित कुछ लोगों को संदेह है कि इसकी उत्पत्ति वुहान लैब में हुई होगी।

जेलेंस्की को काला सागर अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद

कीव अनाज समझौता जारी रखने की उम्मीद है। जेलेंस्की के प्रवक्ता सर्गेई न्यकीफोरोव ने इसकी जानकारी दी। रूस इस समझौते से बाहर हो चुका है। जेलेंस्की के हवाले से बताया गया, रूस के बिना भी हम कर सकते हैं, ताकि हम इस काला सागर गलियारे का उपयोग कर सकें। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को समझौते को जारी रखने के संबंध में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के लिए आधिकारिक संकेत तैयार करने का आदेश दिया। जेलेंस्की ने कहा कि अगर यूक्रेन और तुर्की जहाजों को गुजरने की अनुमति देते हैं, तब जिन कंपनियों के पास जहाज है वे अनाज की आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार हैं। पिछले साल जुलाई में, यूक्रेन और रूस ने अलग से इस्तांबुल में तुर्की और संयुक्त राष्ट्र के साथ काला सागर के माध्यम से यूक्रेनी बंदरगाहों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक खाद्य शिपमेंट को फिर से शुरू करने के लिए उन समझौते पर हस्ताक्षर किया था।

यूनान में पुरनारी गांव के करीब जंगलों में लगी आग से उठता हुआ धूआं।

एक साक्षात्कार में ट्रंप ने बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया

वॉशिंगटन । अपने दावों और कई बड़े झूठ बोलने के लिए मशहूर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक अमेरिकी न्यूज चैनल पर दिए साक्षत्कार में उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को बेवकूफ इंसान बताया है। ट्रंप ने साक्षात्कार में यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद के प्रति सम्मान के कारण मैं कभी भी बाइडन के पीछे नहीं गया जैसा कि मैं कर सकता था। डोनाल्ड ट्रंप 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए दावेदार बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन बहुत बेईमान, चोर और एक नीच व्यक्ति है। मेरा मतलब है, वह एक मूर्ख व्यक्ति है। अब मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी पर ऐसा आरोप लगाया है, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव भी है। ट्रंप ने अपने ऊपर लगे आरोपों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वह मुझ पर अप्रमाणित हमले कर रहे हैं। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी ने 5 साल से चल रही ट्रंप के आरोपों की जांच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी रिपब्लिकन राष्ट्रपति और उनके परिवार के खिलाफ निराधार, अप्रमाणित, राजनीति से प्रेरित हमले कर रही है। यह उनके हितों के अलावा कुछ भी नहीं। वे लोगों का ध्यान आकर्षित करने और अपने स्वयं के अलोकप्रिय विचारों और उन मुद्दों के समाधान की कमी से ध्यान भटकाने की कोशिश करने के लिए दक्षिणपंथी मीडिया में अपने सहयोगियों का सहारा ले रही है। गौरतलब है कि ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद कुछ गोपनीय दस्तावेजों की तलाश के लिए फ्लोरिडा में उनके आवास मार-ए-लागो में तलाशी ली गई थी। एफबीआई ने मार-ए-लागो में सर्च वारंट के साथ प्रवेश किया और करीब 11,000 गोपनीय कागजात बरामद किए।

काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संरा के प्रयासों का समर्थन करता है भारत: कम्बोज

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने काला सागर अनाज पहल जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है और मौजूदा गतिरोध का शीघ्र समाधान होने की उम्मीद जताई है। इससे एक दिन पहले ही रूस ने घोषणा की थी कि वह युद्ध के दौरान यूक्रेनी बंदरगाह से खाद्यान्न एवं उर्वरकों के निर्यात की अनुमति देने संबंधी समझौते का क्रियान्वयन रोक रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने 'यूक्रेन के अस्थायी कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थिति' पर महासभा की वार्षिक बहस में कहा कि भारत क्षेत्र में हालिया घटनाक्रम को लेकर चिंतित है, जो शांति एवं स्थिरता के बड़े मकसद को हासिल करने में मददगार साबित नहीं हुआ है।

कम्बोज ने कहा, ''भारत ने काला सागर अनाज पहल को जारी रखने में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का समर्थन किया है और वह वर्तमान गतिरोध के शीघ्र समाधान की उम्मीद करता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत यूक्रेन में हालात को लेकर चिंतित है। इस संघर्ष के कारण कई लोगों की जान गई है और कई लोगों, विशेषकार महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को कष्ट झेलने पड़ रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं और वे पड़ोसी देशों में शरण लेने को मजबूर हैं।'' कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में संघर्ष को लेकर भारत का दृष्टिकोण जन-केंद्रित बना रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहे हैं और दक्षिण में हमारे कुछ पड़ोसियों को ऐसे समय में आर्थिक मदद दे रहे हैं, जब वे आर्थिक संकटों के बीच भोजन, ईंधन और उर्वरकों की बढ़ती लागत की समस्या से जूझ रहे है, जो इस संघर्ष का परिणाम है।''

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने काला सागर पहल का क्रियान्वयन रोकने के रूस के फैसले पर गहरा दुख जताया और कहा कि इस पहल ने यूक्रेनी बंदरगाहों से तीन करोड़ 20 लाख टन से अधिक खाद्य वस्तुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। गुतारेस ने कहा कि काला सागर पहल और रूसी खाद्य उत्पादों एवं उर्वरकों के निर्यात को संभव बनाने संबंधी समझौता ज्ञापन वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक ''जीवनरेखा'' और परेशान दुनिया के लिए आशा की किरण रहा है।

कम्बोज ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूक्रेन में युद्ध का असर पूरे 'ग्लोबल साउथ' पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि 'ग्लोबल साउथ' की आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का उचित समाधान किया जाए।'' 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। कम्बोज ने कहा कि नागरिकों और असैन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों की खबरें बेहद चिंताजनक हैं। भारतीय राजदूत ने इस बात को रेखांकित किया कि मतभेदों और विवादों से निपटने का एकमात्र तरीका वार्ता है।

ब्रह्मपुत्र नदी पर सबसे बड़ा बांध बना रहा चीन, फिर बढ़ेगी भारत से टेंशन

बीजिंग (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर फिर भारत और चीन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन तिब्बत में एलएसी के पास यारलुंग-त्संगपो नदी की निचली धारा पर एक सुपर बांध बनाने की अपनी योजना को आगे बढ़ा रहा है। इस नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है, और यह सबसे बड़ी नदी है। चीन की राजनीति के बारे में अच्छी समझ रखने वाले ब्रह्मा चेलानी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने एक आर्टिकल लिखा है जिसके मुताबिक चीन दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण गुप्त रूप से नहीं कर सकता। इस आर्टिकल पर अगर यकीन करें तब यह बांध 60 गीगावॉट की क्षमता वाला होगा। यह बांध चीन के मेगा प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। भारत से सटी सीमा पर उसका यह बांध आकार और क्षमता दोनों में उसके अपने ही एक और डैम थ्री गॉर्जेस से भी कहीं गुना ज्यादा बड़ा होगा। थ्री गॉर्जेस वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना है। चीन के बांध-निर्माण की खबरें अक्सर मीडिया में आती रहती हैं। मगर चीन कभी भी इन परियोजनाओं के पैमाने और भौगोलिक सीमा को स्पष्ट नहीं करता है। इसकारण इन पर हमेशा रहस्य बना रहता है। माना जा रहा है कि ब्रह्मपुत्र के उस बिंदु पर बिजली पैदा करने की योजना बना रहा है, जहां ये यह नदी भारत में दाखिल होती है। नवंबर 2020 में बांध की खबरें फिर से सामने आईं थी। उस समय चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने इस बारे में जानकारी दी थी। कैलाश पर्वत के पास एंगसी ग्लेशियर से निकलती और पूर्व में हिमालय से घिरी ब्रह्मपुत्र नदी 3,969 किलोमीटर लंबी है। भारत की सीमा के बाहर इस चीन में यारलुंग-त्संगपो के नाम से बुलाते हैं। यह नदी यह अलग-अलग क्षेत्रों से होकर बहती है। तिब्बत से निकलती हुई यह भारत से गुजरती है और अंत में बांग्लादेश में खत्म होती है। 1,100 किलोमीटर पूर्व की ओर बहने के बाद यह कई सहायक नदियों से मिलती है। इसके बाद यह अचानक उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ जाती है। फिर हिमालय के पूर्वी छोर पर पर्वतीय श्रृंखलाओं के बीच संकरी घाटियों से रास्ता बनाती हुई चीन को पार करते हुए दक्षिण की ओर मुड़ जाती है। यह हिस्सा एलएसी के तहत आता है और भारत से निकलते ही दोनों ओर 5,000 मीटर या उससे ज्यादा गहरी खाई में गिरती है। यह दुनिया की नौवीं सबसे बड़ी नदी है।

युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अपने ही साथियों को बना रहे निशाना

-लंबे युद्ध से बौखला गए सैनिक, दौ सैनिक की बातचीत से हुआ खुलासा

कीव (एजेंसी)। । युद्ध से परेशान रूसी सैनिक अब अपने ही साथियों पर फायरिंग कर रहे हैं, यह खुलासा यूक्रेन ने दो रूसी सैनिकों की फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद किया है। हालांकि गोली चलने के बाद सैनिक की मौत की जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि यूक्रेन-रूस के बीच छिड़ी जंग को करीब डेढ़ साल का वक्त हो चुका है। लेकिन अभी दोनों देशों के बीच कोई संधि या समझौता होता नजर नहीं आ रहा है। यूक्रेन और रूस की तरफ से एक दूसरे पर हमलों की बौछार जरूर तेज कर दी गई है। दोनों देशों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। इसके चलते माना जा रहा है कि अभी युद्ध और लंबा खींच सकता है। ऐसे में यूक्रेन की ओर से रूस की सेना और उसके सैनिकों के कमजोर होते मनोबल को लेकर कई दावे लगातार किए जाते रहे हैं। ताजा मामला यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे दो रूसी सैनिकों के बीच हुई फोन कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद सामने आए तथ्य हैं। इस के बाद यूक्रेन का दावा है कि एक रूसी सैनिक ने अपने साथियों पर ही गोलीबारी कर दी। हालांकि यह जरूर कहते सुना कि शूटर मारा गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सैन्य खुफिया एजेंसी ने ऑडियो का हवाला देते हुए दावा किया है कि किसी बात को लेकर एक सैनिक ने अपने साथियों पर गोली दाग दी। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी का दावा है कि ऑडियो में दो सैनिकों को आपस में फोन कॉल कर बातचीत करते और एक अन्य सैनिक द्वारा अपने साथियों पर गोली चलाये जाने की घटना की चर्चा करते हुए सुना गया। यूक्रेन के मुख्य खुफिया निदेशालय (जीयूआर) ने कहा कि यह कॉल रूसी सैनिकों की गंभीर मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रकट करती है। ऑडियो में, एक सैनिक ने बताया कि उसकी ब्रिगेड के एक सैनिक ने अपनी पकड़ को ढीला कर दिया और और यूनिट के अन्य सदस्यों पर गोली चलाना शुरू कर दिया। इस बात का खुलासा नहीं हुआ कि घटना के दौरान सैनिक मारे गए या घायल हुए। लेकिन इतना कहते हुए जरूर सुना गया कि शूटर मारा गया।

गिरफ्तारी से डर गए पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। राष्ट्रपति ने बुधवार को महीनों की अटकलों को समाप्त करते हुए ये जानकारी दी है। पुतिन की संभावित यात्रा दक्षिण अफ्रीका के लिए एक जटिल कूटनीतिक मुद्दा रही है। रूसी नेता एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट का लक्ष्य हैं - एक प्रावधान जिसे प्रिटोरिया को आईसीसी सदस्य के रूप में लागू करने की उम्मीद होगी यदि वह देश में कदम रखेंगे।

राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के प्रवक्ता विंसेंट मैग्वेन्या ने एक बयान में कहा कि आपसी सहमति से, रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे, लेकिन रूसी संघ का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे। यह निर्णय हाल के महीनों में रामफोसा द्वारा आयोजित कई परामर्शों के बाद लिया गया है। कोरोना महामारी के बाद व्यक्तिगत रूप से आयोजित होने वाला ये पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होगा। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामफोसा ने विश्वास जताया है कि ये समिट सफल होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रतिनिधियों को वो आवश्यक आतिथ्य प्रदान करने का आह्वान करते हैं।

ब्रिक्स एक संक्षिप्त नाम है जो 2001 में ब्रिक के रूप में शुरू हुआ, जिसे जिम ओ%नील (एक गोल्डमैन सैक्स अर्थशास्त्री) ने ब्राजील, चीन, भारत और रूस के लिए गढ़ा था। बाद में 2010 में दक्षिण अफ्रीका को ब्रिक्स में शामिल कर लिया गया। गोल्डमैन सैक्स ने दावा किया कि 2050 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चार क्क्रद्धष्ट अर्थव्यवस्थाओं का प्रभुत्व हो जाएगा।

ब्रिटेन के नए पासपोर्ट में अब हिज मेसस्टी की उपाधि होगी, बड़े बदलाव पर एक नजर

इंटरनेशनल डेस्क : किंग चार्ल्स III के नाम पर जारी किए गए 'महामहिम' शीर्षक वाले पहले ब्रिटिश पासपोर्ट इस सप्ताह से शुरू हो जाएंगे। 70 से अधिक वर्षों तक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के शासनकाल के दौरान आधिकारिक यात्रा दस्तावेज़ महामहिम के नाम पर दिए गए थे। 1952 के बाद पहली बार – अंतिम पुरुष सम्राट, चार्ल्स के दादा किंग जॉर्ज VI के शासनकाल की समाप्ति पासपोर्ट महामहिम शीर्षक के तहत जारी किए गए हैं। गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने इसे इतिहास में एक नया युग बताते हुए कहा कि 70 वर्षों से, महामहिम ब्रिटिश पासपोर्ट पर दिखाई देती रही हैं और हममें से कई लोगों को ऐसा समय याद नहीं होगा जब वह इसमें शामिल न हुई हों। आज ब्रिटेन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि 1952 के बाद से पहले ब्रिटिश पासपोर्ट पर महामहिम, राजा की उपाधि अंकित होनी शुरू हुई है। विदेश यात्रा के दौरान राजा के पास पासपोर्ट नहीं होता है या उसे इसकी आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि ब्रिटिश पासपोर्ट राजा के नाम पर जारी किए जाते हैं। पहले पृष्ठ में रॉयल आर्म्स का एक प्रतिनिधित्व है। महामहिम के राज्य सचिव महामहिम के नाम पर उन सभी से अनुरोध करते हैं और चाहते हैं कि वे धारक को बिना किसी रोक-टोक के स्वतंत्र रूप से गुजरने की अनुमति, और वहन करें वाहक को ऐसी सहायता और सुरक्षा जो आवश्यक हो। हालांकि दिवंगत महारानी के नाम पर जारी ब्रिटिश पासपोर्ट वैध यात्रा दस्तावेज़ बने रहेंगे।

आईएफएम ने पाकिस्तान को चेताया, भयानक खतरे से बचकर रहना होगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आईएफएम ने कर्ज के बोझ से दब रहे पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि आने वाले समय में उस पर भयानक खतरा मंडराने वाला है। इस लिए सहमति से बनी नीतियों पर चलना होगा। पाकिस्तान इस समय भयानक आर्थिक संकट से गुजर रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने चेतावनी दी है कि यह कंगाल देश अत्यधिक खतरे का सामना कर रहा है। आईएमएफ ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 3 अरब डॉलर के ताजा लोन के अलावा पाकिस्तान को आने वाले चुनाव के बाद एक और पैकेज की जरूरत होगी। इस बीच अब खुलासा हुआ है कि आईएमएफ से कर्ज के लिए 6 महीने तक हाथ पैर जोड़ने वाली शहबाज शरीफ सरकार को वैश्विक एजेंसी बहुत ही कड़ी शर्तों पर कर्ज दिया है। अपनी 120 पन्ने की रिपोर्ट में आईएमएफ ने कहा कि लंबे समय तक के लिए भुगतान का संतुलन बना रहे, इसके लिए पाकिस्तान को वर्तमान लोन के अलावा और ज्यादा पैसे की जरूरत होगी।

जानकारी के अनुसार इस रिपोर्ट को पाकिस्तान के वित्त मंत्री और स्टेट बैंक के गवर्नर के साथ हुए समझौते के आधार पर जारी किया गया है। वहीं आईएमएफ ने कहा कि भविष्य में दिया जाने वाला दूसरा पैकेज पाकिस्तान में स्थिरता लाएगा। आईएमएफ ने अपने आकलन में कहा कि पाकिस्तान में आर्थिक चुनौतियां बहुत जटिल हैं और बहुआयामी हैं। पाकिस्तान को लेकर खतरा बहुत ही ज्यादा है। उसने कहा कि इसका हल करने के लिए यह जरूरी है कि जिन नीतियों पर सहमति बनी है, उस पर तेजी से क्रियान्वयन किया जाए। इसके अलावा विदेशी भागीदारों की ओर से लगातार वित्तीय मदद की जरूरत होगी। एजेंसी ने कहा कि आईएमएफ प्रोग्राम का निर्णायक और सतत क्रियान्वयन खतरे को कम करने के लिए जरूरी होगा। हालांकि आईएमएफ के साथ हुए समझौते के तहत शहबाज सरकार ने बिजली के दाम को 5 रुपये प्रति यूनिट बढ़ा दिया है।

इसी तरह से पाकिस्तान में रेकार्ड महंगाई के बाद भी गैस के दाम में भी 40 पैसे की बढ़ोत्तरी की गई है। पाकिस्तान में अब टैक्स की दर को भी बढ़ाने की तैयारी है। फिलहाल पाकिस्तान पर 100 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज है जिसमें से 30 अरब डॉलर केवल चीन का है। पाकिस्तान को इस वित्तीय वर्ष में 25 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज लौटाना है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्राभंडार आईएमएफ, चीन, सऊदी अरब के कर्ज के बाद बढ़ा है लेकिन अभी भी यह बहुत ही खराब स्थिति में है।

बॉयफ्रेंड अर्जुन को छोड़

आजरबाइजान ट्रिप पर निकलीं मलाइका

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड की ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो अक्सर अपने लुक को लेकर चर्चा रहती हैं। इन दिनों मलाइका आजरबाइजान ट्रिप पर हैं, जहां वह खूब एंजॉय कर रही हैं। ट्रिप की खूबसूरत तस्वीरें एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही हैं। मलाइका अरोड़ा ने ट्रिप की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जिसमें वह गर्ल-गैंग के साथ आजरबाइजान के बाकू शहर का मजा लेती दिख रही हैं। व्हाइट आउटफिट के साथ चेहरे पर ब्लैक गॉग्लस लगाए मला बेहद गॉर्जियस लग रही हैं और बाकू टेंपल में गजब पोज दे रही हैं। बता दें, मलाइका अरोड़ा अपने काम और लुक्स के अलावा एक्टर अर्जुन कपूर संग अपने अफेयर को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं। दोनों कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहें हैं। 12 साल का उम्र गैप होने के कारण कपल को हमेशा टारगेट किया जाता है। हालांकि, उन्हें किसी ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, अब कपल के फैंस को इंतजार हैं कि मलाइका और अर्जुन कब शादी के बंधन में बंधेंगे।

जवान में नहीं होगा किआरा का कोई कैमियो

शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान इस साल स्क्रीन पर हिट होने वाली सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है और फिल्म पूरी तरह से धूम मचा रही है। इस फिल्म के हाल ही में जारी हुए ट्रेलर प्रीव्यू ने दर्शकों के उन्माद को और बढ़ा दिया है। प्रीव्यू में दिखाए गए एक्शन दृश्यों और शाहरुख खान के लुक ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस फिल्म के बारे में कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि इसमें किआरा आडवाणी का कैमियो होगा जिसमें उन पर एक गीत फिल्माया जाएगा। कई मीडिया पब्लिकेशन ने इस समाचार को प्रमुखता से छापा लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार जवान में किआरा का कोई किरदार नहीं है। उद्योग जगत के सूत्रों ने मीडिया को बताया है कि, ये अफवाहें बिल्कुल निराधार हैं। फिल्म में कोई गाना शूट नहीं किया गया है और न ही किआरा आडवाणी का कोई कैमियो है। जवान इतनी बड़ी फिल्म है, हर दिन कोई न कोई अफवाह सुनने को मिलती है। जवान का निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है और फिल्म में विजय सेतुपति, नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और संजीता भट्टाचार्य भी हैं। यह फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब मसालेदार विषय वाली फिल्म की तलाश में हैं जान्हवी

अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई हैं। दरअसल, वह कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। हालांकि, अभी वह वरुण धवन के साथ अपनी आने वाली फिल्म बवाल के प्रचार में व्यस्त हैं। इसी दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उन्हें बहुत सारी फिल्में करने का मन है। वहीं, इस कड़ी में अभिनेत्री ने बताया है कि और वह एक मसालेदार फिल्म की तलाश कर रही हैं। अपनी फिल्मों और अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए जान्हवी कपूर ने कहा कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में की हैं, लेकिन अब वह कुछ अलग करना चाहती हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि मैं बस देख रही हूं, उम्मीद कर रही हूं और प्रार्थना कर रही हूं। मेरी इच्छा है कि अगली बार आप सब मुझे जब कैमरे पर देखें तो वह एक मसाला मजेदार फिल्म होनी चाहिए। मैं जिंदादिल हूं, नाच रही हूं, गा रही हूं, अच्छी दिख रही हूं, कॉमेडी कर रही हूं, नखरे भी दिखा रही हूं, वह सब सामान बात है। यही मैं फिल्मों में प्रदर्शित कर रही हूं, लेकिन अब मसालेदार विषय की तलाश में हूं।

राखी सावंत के पैसे-फोन लेकर भागा ड्राइवर

राखी सावंत का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक्ट्रेस का कहना है कि उनका ड्राइवर कार की चाबी, पैसे और फोन लेकर भाग गया है। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में चल रही हैं। वह अक्सर ही किसी ना किसी कारण के चलते सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। एक्ट्रेस की लाइफ में अक्सर ही कुछ न कुछ उथल पुथल देखने को मिलती है। एक्ट्रेस के साथ शनिवार के दिन एक ऐसी घटना हुई है, जिससे वह काफी परेशान नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, राखी सावंत ने पैपराजी से बात करते हुए बताया कि उनका ड्राइवर उनकी कार की चाबी लेकर भाग गया है। इसके साथ ही राखी ने बताया कि उनका गोल्ड का फोन और पैसे चोरी करके भाग गया। इस घटना के बाद राखी काफी परेशान नजर आई। उनका कहना है कि वह इस दौरान कहा जाएं और किस प्लेनेट पर जाकर बस जाऊं। उन्होंने कहा कि उन्होंने उसे गरीब समझ कर काम पर रखा था और वह सारा सामान लेकर भाग गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उसकी बहन उनके घर पर काम करती है। राखी का कहना है कि वह ओशिवारा पुलिस स्टेशन जाकर पप्पू यादव जो कि यूपी से है, उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने जा रही हैं।

रैपर बादशाह ने साझा किया

शाहरुख–सलमान से जुड़ा मजेदार किस्सा

बादशाह ने शाहरुख खान और सलमान खान के बीच मनमुटाव खत्म होने के बाद दोनों से मुलाकात की थी। अब रैपर ने पहली मुलाकात का किस्सा साझा किया है। रैपर बादशाह ने हाल ही में सलमान खान और शाहरुख खान के बीच मनमुटाव के बारे में बात की। दोनों सुपरस्टार के बीच मनमुटाव खत्म होने के बाद बादशाह उनसे मिले थे। अब रैपर ने अपनी इस मुलाकात को याद करते हुए दिलचस्प किस्सा साझा किया है। कथित तौर पर सलमान खान और शाहरुख खान के बीच विवाद था। कई वर्षों तक दोनों के बीच बातचीत बंद रही। हालांकि, दोनों अपने मनमुटाव भूलकर फिर से दोस्ती की राह पर आगे बढ़ें। चलिए जानते हैं रैपर बादशाह की सलमान और शाहरुख के साथ मुलाकात कैसी रही थी। सलमान और शाहरुख के बीच दोबारा दोस्ती होने पर बात करते हुए बादशाह ने उस घटना को याद किया, जब दोनों ने उन्हें बिरयानी खिलाई थी।

बादशाह ने कहा कि मैं शाहरुख खान और सलमान खान से एक अवॉर्ड शो के बैक स्टेज पर मिला था। दोनों के बीच काफी समय के बाद समझौता हुआ था। मुझे अच्छे से याद है कि मेरे मैनेजर ने मुझसे कहा था कि शाहरुख सर आपको बुला रहे हैं। मैं उनसे मिलने गया। सलमान सर भी वहां पर थे। वे दोनों आपस में बात कर रहे थे। मैं वहीं खड़ा उनको देख रहा था। इसके बाद खाना परोसा गया और उन्होंने मुझे बिरयानी खिलाई। वे एक दूसरे के साथ फनी मूड में थे और अपने किस्से साझा कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल 2008 में अभिनेत्री कटरीना कैफ की जन्मदिन पार्टी में हुई एक घटना के बाद शाहरुख और सलमान के बीच कथित तौर पर बातचीत बंद हो गई थी। इसके बाद कई वर्षों बाद दोनों अपने-अपने विवाद भूलकर आगे बढ़ें और साल 2013 में समझौता कर एक बार फिर दोस्ती का हाथ आगे बढ़ाया। सलमान और शाहरुख अब पहले की तरह बेहद अच्छे दोस्त हैं। हाल ही में उन्होंने पठान में साथ काम किया। अब दोनों अपने फैंस को दिवाली पर बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। रैपर बादशाह शाहरुख खान के बहुत बड़े फैन हैं। यहां तक की सुपरस्टार के लिए ही उन्होंने अपना नाम बदला था। बादशाह का असली नाम आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया है, जबकि बादशाह उनका स्टेज नाम है। करियर के शुरुआती दौर में वह कूल इक्कल के नाम से जाने जाते थे। साल 2021 में कौन बनेगा करोड़पति सीजन 13 में बादशाह ने खुलासा किया था कि यह शाहरुख ही थे, जिनके लिए उन्होंने अपना नाम बदला। उन्होंने बताया था मैं शाहरुख खान सर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और उसी समय 1999 में उनकी फिल्म बादशाह रिलीज हुई थी, तभी से मेरे स्टेज का नाम बादशाह हो गया।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण हिमाचल में मची तबाही को लेकर यामी गौतम ने जताई चिंता

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश के कारण वहां के हालात काफी भयावह बने हुए हैं। लैंड स्लाइड और बाढ़ के कारण कई लोगों को जानी-माली नुकसान हुआ है और अभी भी कईयों का जीवन संकट में है। वहीं, हिमाचल की ऐसी हालत देखकर एक्ट्रेस यामी गौतम का दिल टूट गया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने होम टाउन की इस दशा पर दर्द बयां किया है। मीडिया से बात करते हुए यामी गौतम ने कहा कि वे हिमाचल में हुए इस भारी नुकसान के कारण दुखी हैं। उनका कहना है कि कोई भी चीज अब उन लोगों की जान वापस नहीं ला सकता जो इस घटना में मारे गए, लेकिन सरकार बाकी लोगों के लिए कोई मदद जरूर करेंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि प्रकृति हमें वही वापस दे रही है जो हमने प्रकृति को दिया है। हिमाचल को देव भूमि यानी देवताओं की भूमि कहा जाता है, ऐसे में वहां का ये भयानक हादसा दिल दहला देता है। एक्ट्रेस ने वहां के लोगों को लेकर भी चिंता जताई।

ऑनस्क्रीन लिपलॉक

करने से नहीं कतराए ये सेलेब्स

कोई भी बॉलीवुड फिल्म बिना मसाले के पूरी नहीं होती. बॉलीवुड फिल्में डांस, मसाला, किस, गाने और बहुत कुछ के बिना अधूरी हैं. कुछ सेलेब्स के पास किसी भी फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उनके कांट्रैक्ट में सख्त नियम हैं. एक्टर्स इंटीमेट किसिंग सीन करने से परहेज करते हैं. लिस्ट में ऐसे स्टार्स है जो आनस्क्रीन किस करने से बचते है. लेकिन बीते कुछ सालों में शाहरुख खान से लेकर काजोल तक ने अपनी फिल्मों के लिए ऑन-स्क्रीन नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ा है. चलिए आपको बताते है इस लिस्ट में और कौन-कौन से सेलेब्स का नाम शामिल है.

काजोल

डिज्नी+हॉटस्टार पर हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज द ट्रायल इन दिनों चर्चा में है. इस सीरीज से काजोल ने ओटीटी पर डेब्यू किया है. काजोल ने 23 साल बाद अपनी नो-किसिंग पॉलिसी को तोड़कर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया है. शो में वकील नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाते हुए, काजोल ने दो अलग-अलग एपिसोड में अपने सह-कलाकारों एली खान और जिशु सेनगुप्ता के साथ ऑनस्क्रीन किस शेयर किया है. ये सीन तेजी से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगे, जिससे फैन काजोल के साहसिक निर्णय से आश्चर्यचकित रह गए. बता दें कि द ट्रायल प्रशंसित अमेरिकी श्रृंखला द गुड वाइफ का रूपांतरण है. शो में शीबा चड्ढा, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं.

शाहरुख खान

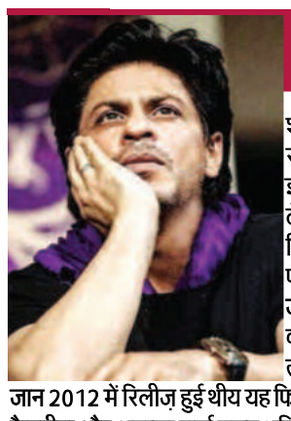

शाहरुख खान बॉलीवुड के किंग और रोमांस किंग हैं. सालों से एक रोमांटिक इंसान की भूमिका निभाने और स्क्रीन पर ढेर सारे रोमांटिक सीन करने के बावजूद, किंग खान ने हमेशा लिप-लॉक करने से परहेज किया है. हालांकि, 2012 में फिल्म जब तक है जान में खूबसूरत कैटरीना कैफ को किस कर अपने नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ दिया था. बता दें कि फिल्म जब तक है जान 2012 में रिलीज़ हुई थीय यह फिल्म रोमांटिक ड्रामा है जिसमें शाहरुख, कैटरीना और अनुष्का शर्मा मुख्य भूमिकाएं निभाते हैं. फिल्म के निर्देशक यश चोपड़ा थे और यह उनकी आखिरी फिल्म थी.

तमन्ना भाटिया

लस्ट स्टोरीज 2 नेटफ्लिक्स पर 29 जून को रिलीज हुई थी. फिल्म में चार शॉर्ट फिल्में शामिल हैं, जिसमें एक फिल्म में तमन्ना भाटिया है. इसमें एक्ट्रेस ने विजय वर्मा के लिए अपनी नो-किस पॉलिसी तोड़ दिया था. इस बारे में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था, मैं सच में सुजॉय के साथ काम करना चाहती थी और मैं वास्तव में खुश हूं कि उन्होंने इस भूमिका के लिए मेरे बारे में सोचा, खासकर क्योंकि मैंने अपने करियर में कोई इंटेमेसी सीन नहीं किया है. मैं वह दर्शक थी जो कहती थी कि मैं ये कभी नहीं करूंगी, मैं कभी भी ऑनस्क्रीन किस नहीं करूंगी. मैं वह व्यक्ति थी, मेरे लिए उस ढांचे से बाहर निकलना एक विकास था.

अजय देवगन

अजय देवगन ने उस समय सभी को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने अपने निर्देशन में बनी फिल्म शिवाय में एरिका कार के साथ लिप-लॉक करके अपनी 25 साल पुरानी ऑन-स्क्रीन नो किसिंग पॉलिसी को तोड़ दिया था. बता दें कि इन दिनों एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म मैदान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे है. फिल्म में वो अलग अंदाज में नजर आएंगे. पिछली बार गोलमाल एक्टर भोला में नजर आए थे. इसमें दीपक डोबरियाल, तब्बू ने अहम भूमिका निभाई. हालांकि मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था. सैफ अली खान ने करीना कपूर खान से शादी के बाद ऑन-स्क्रीन नो किसिंग

सैफ अली खान

पॉलिसी फॉलो की. लेकिन एक्टर ने रंगून फिल्म में कंगना रनौत के साथ लिपलॉक कर ये पॉलिसी तोड़ दी. बता दें कि हाल ही में एक्टर फिल्म आदिपुरुष में नजर आए थे. फिल्म में वो लंकेश के किरदार में नजर आए थे. हालांकि फिल्म रिलीज के बाद डायलॉग को लेकर विवादों में घिर गई.

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत में किस करने से इनकार कर दिया था. लेकिन उन्होंने अपनी ये पॉलिसी साल 2016 में तोड़ दी. उन्होंने धूम 2 में ऋतिक रोशन को किस किया था. वहीं, फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में ऐश्वर्या ने रणबीर कपूर के साथ लिप लॉक किया था. बता दें कि पिठली बार एक्ट्रेस फिल्म पोन्नियन सेल्वन में नजर आई थी. उनकी एक्टिंग की हर किसी ने तारीफ की.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011